RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 145 ● भिलाई, शुक्रवार 12 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

बम निरोधक दस्ते का वाहन ट्रक से टकराया, 4 जवानों की मौके पर मौत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के सागर में एक बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है। जहां एक बीडीएस (बम निरोधक दस्ते) के जवान सड़क हादसे की चपेट में आ गए। इस हादसे में 4 जवानों की मौत की खबर सामने आ रही है वहीं इसमें 1 जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी जवान ड्यूटी खत्म करके घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में उनका वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। यह हादसा सागर के नेशनल हाइवे 44 पर बांदरी मालथौन में हुआ। पांचों जवान मुरैना से लौट रहे थे, तभी सुबह के लगभग 4 बजे यह हादसा हो गया। जवानों का वाहन सामने आ रही एक ट्रक से टकरा गया। हालांकि, हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतकों की पहचान प्रधुमन दीक्षित, अमन कौरव और चालक परमलाल तोमर के रूप में हुई है। तीनों मुरैना के रहने वाले हैं। वहीं, भिंड के डांग मास्टर विनोद शर्मा की भी मृत्यु हो गई है। इसके अलावा मुरैना के आरक्षक राजवीन चौहान दुर्घटना में घायल हो गए हैं, जिनका बंसल अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, पुलिस के वाहन में एक डॉग भी था, जो बिल्कुल सही सलामत है।

25 मौतों के बाद गोवा सरकार सख्त, रोमियो लेन क्लब होगा जमींदोज

पणजी। गोवा के नाइट क्लब में हुए भीषण अग्निकांड में 25 लोगों की जान जाने के बाद राज्य सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने लूथरा ब्रदर्स के विवादित 'रोमियो लेन बीच क्लब' को तत्काल प्रभाव से जमींदोज करने का आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिले निर्देशों के मुताबिक, सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने इस क्लब को मंगलवार को ही गिरा दिया जाएगा, जिसके लिए जिला प्रशासन ने बुलडोजर और अन्य मशीनों के साथ पूरी तैयारी कर ली है। हादसे के बाद से ही क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों भाई दिल्ली के रास्ते थाईलैंड भाग निकले हैं। उन्हें भारत वापस लाने के लिए गोवा पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

पूर्व सीजेआई गवई पर जूता फेंकने वाले वकील की सरेआम धुनाई

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई बी.आर. गवई पर जूता फेंकने वाले आरोपी वकील राकेश किशोर की वकीलों के ही एक समूह ने जमकर पिटाई कर दी। कोर्ट परिसर में मौजूद आक्रोशित वकीलों ने राकेश किशोर को घेर लिया और उन पर चप्पलों की बरसात कर दी। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने बड़ी मशक्कत के बाद बीच-बचाव कर उन्हें भीड़ से बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर ले गए।

अरुणाचल में हादसा- जिंदा बचे शख्स ने दी हादसे की जानकारी

मजदूरों से भरा ट्रक गहरी खाई में गिरा...18 लोगों की मौत....

तिनसुकिया/ एजेंसी

अरुणाचल में भारत-चीन सीमा के पास बड़ा हादसा हुआ है, जहां एक ट्रक गहरी खाई में गिर गया। हादसे में अभी तक 18 मजदूरों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में जुटे हुए हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। हादसा अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले के हयूलियांग में मिथुंगना और मैलांग बस्ती के बीच लैलांग बस्ती में हयूलियांग से लगभग 47 किलोमीटर दूर सागलागाम रोड पर हुआ। बताया जा रहा है कि ट्रक करीब 1000 फीट नीचे खाई में गिर गया। एक गंभीर रूप से घायल को डिब्रूगढ़ शिफ्ट किया गया है। जानकारी के मुताबिक हादसा सोमवार को हुआ, लेकिन इसकी जानकारी देर से मिली। जानकारी के मुताबिक एक घायल मजदूर किसी तरह मुख्यालय तक पहुंचा और अधिकारियों को घटना की सूचना दी। ये सभी मजदूर असम के तिनसुकिया जिले के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों ने सबसे पहले मौके पर पहुंचकर मदद शुरू की। इसके बाद पुलिस, जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन और सेना की टीमों ने रेस्क्यू शुरू किया। खाई गहरी होने के कारण बचाव कार्य मुश्किल हो रहा है। लोगों के मुताबिक ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और कई मजदूरों के शरीर खाई में अलग अलग हिस्सों में मिले हैं। अंजॉ जिले के डिप्टी कमिश्नर मिलो कोजिन के अनुसार, कम से कम 17 मजदूरों के मारे जाने की आशंका है और एक गंभीर रूप से घायल को डिब्रूगढ़ शिफ्ट किया गया है। सभी

मृतक मज़दूर तिनसुकिया के रहने वाले थे। भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के चगलागाम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया है। यह अभियान बुधवार की देर रात मिली उस सूचना के आधार पर शुरू किया गया, जिसमें हायुलियांग चगलागाम सड़क पर किलोमीटर 40 के पास एक वाहन दुर्घटना की जानकारी मिली थी। एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति, जो किसी तरह चिप्रा जीआरईएफ कैंप तक पहुंच पाया, ने बताया कि 8 दिसंबर की रात 22 मजदूरों को लेकर जा रहा ट्रक खाई में गिर गया था। दुर्घटना स्थल चगलागाम से लगभग 12 किलोमीटर पहले अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में है, जहां सीमित संपर्क होने के कारण स्थानीय एजेंसियों, ठेकेदारों या किसी नागरिक प्रतिनिधि द्वारा घटना की सूचना नहीं दी जा सकी। गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एमएस रावत ने बताया कि गुरुवार को को स्पीयर कोर ने कई सर्च और रेस्क्यू टीमें, मेडिकल दल, जीआरईएफ प्रतिनिधि, स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ और एडीसी हायुलियांग को मौके पर रवाना किया। करीब चार घंटे की तलाशी और रस्सी के सहारे नीचे उतरने के बाद 11:55 बजे ट्रक को सड़क से लगभग 200 मीटर नीचे घने जंगल और पत्तियों की वजह से अत्यंत कठिनाई से देखा जा सका। अब तक 18 शव दिखाई दिए हैं और उन्हें बेल-रोप तकनीक से निकाला जा रहा है। एडीसी हायुलियांग ने एसपी अंजॉ को सूचना दी, जो मौके पर पहुंच चुके हैं,

जवानों ने शुरू किया सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन

भारतीय जवानों द्वारा एक बड़ा सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस हादसे की जानकारी तब मिली जब एक इस हादसे से जिंदा बचा व्यक्ति जीआरईएफ कैंप तक पहुंचा और पूरी घटना के बारे में बताया। इससे पहले शासन-प्रशासन को इस हादसे की जानकारी नहीं थी। जानकारी मिलते ही गुरुवार को स्पीयर कोर ने कई सर्च और रेस्क्यू कॉलम, मेडिकल टीम, जीआरईएफ के प्रतिनिधि, लोकल पुलिस, एनडीआरएफ के लोग और एडीसी हयूलियांग को भेजा। चार घंटे की कड़ी खोज और रस्सी के सहारे नीचे उतरने के बाद, ट्रक को केमी 40 के पास सड़क से लगभग 200 मीटर नीचे एक री-एंट्रेंट में देखा गया, जो मुश्किल था और घने पेड़ों और घनी पत्तियों की वजह से हेलीकॉप्टर या सड़क से दिखाई नहीं दे रहा था। जवानों को खाई में 18 शव दिखाई दिए जिन्हें रस्सियों की सहायता से ऊपर लाया गया।

यहाँ ऐसा नहीं होने दिया जाएगा

पश्चिम बंगाल उत्तर प्रदेश नहीं है-ममता बैनर्जी......

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में हाल ही में हुए गीता पाठ कार्यक्रम में दो ठेलेवालों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि राज्य में इस तरह की धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नदिया जिले के कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह पश्चिम बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं। उन्होंने ठेले बेचने वालों को पीटा... हमने कल रात सभी को गिरफ्तार कर लिया। बनर्जी ने भाजपा पर राज्य में सांप्रदायिक विभाजन की

संस्कृति फैलाने का आरोप लगाया। भगवा पार्टी पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि मैं सांप्रदायिक विभाजन में विश्वास नहीं करती। मैं सभी धर्मों के साथ चलना चाहती हूं। गीता पाठ के लिए सार्वजनिक सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है?

उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे ज़मीन पर कब्ज़ा मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पहले पुलिस कर्मी बनभूलपुरा इलाके में गश्त कर रहे हैं।

लूथरा बंधुओं के भागने पर तीखा वार

भाजपा के चलते संभव था गोवा से फरार होना

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को लूथरा बंधुओं के भारत से भागने की गहन जांच की मांग की। उन्होंने भाजपा अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए अधिकारियों की आलोचना की कि कथित लापरवाही के बावजूद, जिसके कारण 25 लोगों की दुखद मौत हुई, उन्हें भागने से नहीं रोका गया। एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि वे यूं ही भारत से भाग नहीं गए; इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि उन्हें भगाने में किन लोगों का हाथ था। भाजपा सरकार के समर्थन के बिना वे गोवा से नहीं भाग सकते थे। संजय सिंह

ने कहा कि इंडिगो की उड़ानें लोगों के लिए उपलब्ध नहीं हैं, देश की जनता परेशान है, और उन व्यक्तियों की लापरवाही के कारण 25 लोगों की जान चली गई - फिर भी वे इंडिगो का इस्तेमाल करके भारत से भाग गए, और सरकार कुछ नहीं कर सकी?

राहुल गांधी ने फिर गृहमंत्री अमित शाह पर साधा निशाना

उनके हाथ कांप रहे थे....वे बहुत मानसिक दबाव में हैं

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला जारी रखा, जिन्होंने लोकसभा में चुनाव सुधार पर बहस के दौरान कांग्रेस पार्टी की जमकर आलोचना की थी। राहुल गांधी ने कहा कि गृह मंत्री ने उनके किसी भी सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी कल बहुत घबराए हुए थे। उन्होंने गलत भाषा का प्रयोग किया, उनके हाथ कांप रहे थे... वे बहुत मानसिक दबाव में हैं। यह सबने कल देखा। मैंने उनसे जो भी पूछा, उन्होंने

उसका सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कोई सबूत नहीं दिया। मैंने उन्हें सीधे तौर पर चुनौती दी है कि वे मैदान में आएं और संसद में मेरी सभी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा करें। मुझे कोई जवाब नहीं मिला। एक अन्य कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने भी उनका समर्थन करते हुए कहा कि जो पारदर्शिता होनी चाहिए थी, वह नहीं दिखी। हरियाणा में जो हुआ, उन्होंने उसके असली सवालों का जवाब नहीं दिया, बल्कि कांग्रेस पर आरोप लगाए। आज जो हो रहा है, उसका कोई जवाब नहीं मिला। दूसरी ओर, भाजपा ने कांग्रेस और लोकसभा के विपक्ष के नेता पर 'हिट एंड रन' की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस सांसद पर हमला करते हुए कहा, राहुल गांधी 'हिट एंड रन' का फॉर्मूला अपनाते हैं... जब प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बोलते हैं, तो वे बाहर चले जाते हैं।

ड्रोन शो ने रचा इतिहास, ग्लोबल समिट में बना गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

हैदराबाद। तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के समापन समारोह में मंगलवार रात अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब 3,000 ड्रोन ने आसमान में दुनिया का सबसे लंबा वायु-आकृति वाक्य बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। ड्रोन ने राज्य की विजन 2047 महत्वाकांक्षा को शानदार तरीके से प्रदर्शित किया। यह मंत्रमुग्ध कर देने वाला शो उभरते भारत फ्यूचर सिटी स्थल पर आयोजित हुआ, जैसे ही मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विज़न 2047 दस्तावेज़ का अनावरण किया। इससे पहले कार्यक्रम में एक रोबोट ने सबसे अधिक सबका ध्यान खींचा, जिसने मंच पर मुख्यमंत्री को विजन 2047 दस्तावेज़ सौंपा।

जेल जाएंगे या मिलेगी राहत?

लूथरा बंधुओं.....की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली/ एजेंसी

रोहिणी अदालत ने गौरव और सौरभ लूथरा की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। उम्मीद है कि अदालत गुरुवार शाम 5:30 बजे फैसला सुनाएगी। गोवा पुलिस ने लूथरा बंधुओं गौरव और सौरभ द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिकाओं का विरोध किया है। गोवा पुलिस का कहना है कि गौरव लूथरा, सौरभ लूथरा और अजय गुप्ता क्लब के हस्ताक्षरकर्ता हैं। क्लब का पहले जारी किया गया पंचायत लाइसेंस समाप्त हो चुका है और उसका नवीनीकरण

नहीं कराया गया है। गोवा पुलिस के वकील ने तर्क दिया कि बंधुओं की ओर से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है, जिसके कारण वे अदालत द्वारा दी जाने वाली विशेष सुरक्षा के हकदार नहीं हैं। वकील ने कहा कि बंधुओं ने 7 दिसंबर को भारत छोड़ दिया, जबकि उन्होंने कहा कि वे 6 दिसंबर की रात को चले गए थे। वकील ने तर्क दिया कि इससे पता चलता है कि सौरभ और गौरव लूथरा ने अदालत और अधिकारियों को गुमराह किया और देश छोड़ दिया। गोवा पुलिस ने आगे दावा किया कि आरोपियों द्वारा बताए गए चिकित्सीय कारण निराधार हैं।क्योंकि मरीज को डॉक्टर ने नहीं देखा था। वरिष्ठ अधिवक्ता तनवीर अहमद लूथरा बंधुओं की ओर से पेश हुए और उन्होंने कहा कि एफआईआर के अनुसार घटना लापरवाही के कारण हुई थी, न कि हत्या के इरादे से। वकील ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ताओं के परिवार को खतरा था।

वंदे मातरम पर बहस में उछाला गया नेहरू का नाम

राज्यसभा में भिड़े कांग्रेस अध्यक्ष खरगे-नड्डा,दोनों में मचा घमासान

नई दिल्ली/ एजेंसी

वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जेपी नड्डा द्वारा जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद राज्यसभा में हंगामा मचा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने नेहरू को बहस का केंद्र बनाने पर सवाल उठाया। नड्डा ने कांग्रेस पर संस्कृति से समझौता करने का आरोप लगाया, वहीं खरगे ने आरोपों को विकृत और असत्य बताया, जिससे दोनों नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। अंततः, अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद नड्डा ने कहा कि सरकार केवल ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना चाहती है, न कि नेहरू की छवि को धूमिल करना। जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर चर्चा का मुख्य विषय जवाहरलाल नेहरू हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर नड्डा के भाषण के दौरान हस्तक्षेप किया और नेहरू पर वंदे मातरम का अपमान करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि यह बहस वंदे मातरम को लेकर है या पंडित जवाहरलाल नेहरू को लेकर। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है। यह सवाल दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गया, जब नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर जवाहरलाल नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तो

मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है... दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उनमें आस्था है। इन टिप्पणियों के कारण राज्यसभा में हंगामा मच गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यसभा में वंदे मातरम पर बहस का समापन करते हुए जेपी नड्डा ने जोर देकर कहा कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती और उसका एकमात्र उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे... उस समय सत्ता में रहे लोग (सरकार) इस स्थिति के लिए जिम्मेदार थे। नड्डा ने कहा कि पहले तो आपने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटा दिए। जून 1947 में आपने भारत को 'खंडित' स्वतंत्रता दी और जिन्ना के सपनों को साकार किया। उसके बाद आपने पाकिस्तान की गुरिल्ला सेनाओं के सामने पीओके 'समर्पित' कर दिया, 'खंडित' कश्मीर पर कब्जा कर लिया और फिर अनुच्छेद 370 लागू कर दिया... देश समझौतों से नहीं चलता - यही हमारी विचारधारा है। यह इतिहास की सच्चाइयों और अटूट राष्ट्रवाद की भावनाओं को ध्यान में रखकर चलता है।

कांग्रेस सांसद अजय माकन बोले-जनता की आवाज नहीं दबा सकते

राज्यसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा की शुरुआत कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अजय माकन ने की। अजय माकन ने चुनावों में सभी पक्षों को बराबर अवसर मिलने का जिक्र करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी राजनीतिक दलों के लिए बराबर मौके हों। उन्होंने चुनाव आयोह को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि अगर अंपायर ही किसी खेमे का समर्थन करने लगेगा तो निष्पक्ष चुनाव कैसे होंगे। माकन ने मार्च, 2023 में पारित सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि दिसंबर में चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए सरकार ने समिति से चीफजस्टिस को बाहर करने का कानून बना दिया। उन्होंने सवाल किया कि आपराधिक या किसी भी सिविल कार्रवाई से चुनाव आयोग को कानूनी संरक्षण क्यों दिया गया।

CMYK

प्रेस क्लब का संगठन विस्तार-विजय केसरवानी और शैलेष नितिन त्रिवेदी बने संरक्षक

सतीशचन्द्र श्रीवास्तव बने विधिक सलाहकार, राजनीतिक और विधिक क्षेत्र की तीन बड़ी हस्तियाँ बनीं क्लब की नई ताकत

बलौदाबाजार। प्रेस क्लब भवन बलौदाबाजार में आयोजित विशेष बैठक पत्रकारिता जगत के लिए ऐतिहासिक क्षण साबित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन विस्तार का महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए भाजपा नेता एवं भारत स्काउट गाइड परिषद छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय केसरवानी तथा प्रदेश प्रवक्ता कांग्रेस शैलेष नितिन त्रिवेदी को प्रेस क्लब बलौदाबाजार का संरक्षक नियुक्त किया गया। इसी क्रम में जिले के सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चन्द्र श्रीवास्तव को क्लब का विधिक सलाहकार बनाया गया। बैठक के उपरांत दोनों संरक्षकों एवं विधिक सलाहकार का प्रेस क्लब भवन में स्वागत किया गया। उनके आगमन पर क्लब परिसर सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई दिया। माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-

अर्चना कर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात् अध्यक्ष नरेश गनशानी सहित समस्त पदाधिकारियों ने बुके, पुष्पमाला, शाल एवं श्रीफल भेंट कर अतिथियों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। संरक्षक एवं सलाहकार पद की जिम्मेदारी स्वीकार करने पर तीनों विशिष्ट अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया और प्रेस क्लब परिवार ने हार्दिक स्वागत करते हुए इसे संगठन के लिए एक मील का पत्थर बताया। इस दौरान भाजपा नेता विजय केसरवानी ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ है और पत्रकारों के कंधों पर जनसरोकारों का अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने कहा कि संरक्षक के रूप में मैं सदैव प्रेस क्लब के साथ खड़ा रहूँगा। पत्रकारिता का सम्मान और उसकी गरिमा बनाए रखने के लिए हर स्तर पर सहयोग और साथ दूंगा। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शैलेष नितिन त्रिवेदी ने अपने वक्तव्य में भावुकता प्रकट करते हुए कहा कि उनकी वर्तमान राजनीतिक पहचान में पत्रकारिता का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकार पीड़ित जनता की सच्ची आवाज हैं। मैं प्रेस क्लब के हर कदम पर साथ खड़ा रहूँगा और जनहित की लड़ाई में सहयोग करता रहूँगा। वही विधिक सलाहकार वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारिता समाज, प्रशासन और आम जनता के बीच की सबसे आवश्यक कड़ी है। जनता समाचारों पर भरोसा करती है और यह विश्वास हमेशा कायम रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधिक सलाहकार के रूप में मैं प्रेस क्लब को हर सम्भव कानूनी मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

बलौदाबाजार प्रेस क्लब-जनहित की आवाज, अब और अधिक सशक्त

अपने गठन से लेकर अब तक बलौदाबाजार प्रेस क्लब नगर और क्षेत्र के जनहित मुददों को मजबूती से उठाता रहा है। पीड़ितों की आवाज बनकर समाज में न्याय की लड़ाई को गति देने वाली इस संस्था को अब दो अनुभवी संरक्षक तथा एक प्रखर विधिक सलाहकार का मार्गदर्शन प्राप्त होना इसकी शक्ति को और दुगुना कर देगा। संगठन ने कहा कि इस नई टीम से क्लब की कार्यकुशलता, जनसरोकारों पर पकड़ और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन पहले से अधिक प्रभावशाली होगा। इस गरिमामयी अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष नरेश गनशानी, उपाध्यक्ष दिलीप महेश्वरी, सचिव दलजीत चावला, सहसचिव विजय शंकर तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश्वर गिरी, सदस्य राघवेंद्र सिंह, लकेश बघेल, देवेंद्र साहू, श्रवण ध्रुव, राजकुमार वालेचा, सुदेश साहू, पुष्पकांत मेजर, आभाष शर्मा, मोहित मरकाम, देवेश साहू, प्रीत लाल कुर्रे,इलियास खान, निर्मल सिंह चौहान, धर्मेंद्र मांडले गोविंद रात्रे सहित सभी क्लब सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम न केवल प्रेस क्लब बल्कि पूरे बलौदाबाजार पत्रकारिता जगत के लिए गौरव का दिन बन गया जहाँ अनुभव, नेतृत्व और पत्रकारिता के प्रति निष्ठा का संतुलन एक ही मंच पर साकार हुआ।

अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने मुरुम, रेत-गिट्टी का अंबार

ट्रेडर्सों का कब्जा आम जनता परेशान

नागरिकों की मांगें

एसडीएम कार्यालय के सामने लगे रेत-गिटटी के अंबार को तुरंत हटाया जाए। अवैध कब्जा करने वाले ट्रेडर्स पर कार्रवाई की जाए धूल नियंत्रित करने के लिए नियमित पानी का छिड़काव किया जाए कार्यालय क्षेत्र में साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था बहाल की जाए

तिल्दा-नेवरा। अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के ठीक सामने मुरुम, रेत और गिटटी का अंबार लग जाना नगर प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। बिल्डिंग मटेरियल ट्रेडर्स द्वारा सार्वजनिक स्थान पर खुलेआम कब्जा कर निर्माण सामग्री डाल देना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि कार्यालय आने वाले नागरिकों और कर्मचारियों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गया है। सड़क से आवागमन बाधित होता है। ट्रक-ट्रॉली और रेत-गिटटी के ढेरों के कारण कार्यालय पहुँचने में राहगीरों को कठिनाई होती है।

धूल उड़ने से लोग परेशान हैं! जब स्ष्ठरू कार्यालय के सामने ही अवैध कब्जा और गंदगी पर नियंत्रण नहीं हो रहा, तो फिर अनुविभागीय अधिकारी की निगरानी और जिम्मेदारी पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। नागरिकों ने साफ कहा है कि अनुविभागीय अधिकारी को इस मामले में सख्त कदम उठाना चाहिए था, लेकिन अब तक कार्रवाई न होने से अनुविभागीय अधिकारी भी सवालों के घेरे में आ गए हैं।

अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन बैकुंठ द्वारा सीजी बोर्ड के स्कूल बैकुंठ के छात्र-छात्राओं को किया गया जन जागरूकता अभियान

तिल्दा-नेवरा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ शिक्षा बोर्ड स्कूल बैकुंठ में अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन सीएसआर बैकुंठ और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र बहेसर के समुचित तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजन हुआ। उपयुक्त कार्यक्रम में अल्ट्राटेक सीमेंट बैकुंठ के जितेंद्र तनवर डी.एच (एच.आर) नितेश शर्मा एस.एच (एच.आर) सोनाली गवारगुर सीएसआर प्रमुख के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संचालित सीएसआर से दीपेंद्र कुमार मिश्रा एवं सहायक के रूप में निरूपा कश्यप के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल से अनिल दुबे, एस.वाय. कुरेशी एवं समस्त शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे जागरूकता

कार्यक्रम में 203 छात्र छात्राओं की उपस्थित थे जिन्हें एचआईवी एड्स एवं नशा से होने वाले नुकसान एवं निदान की जानकारी दी गई एवं पोस्टर प्रतियोगिता द्वारा छात्र-छात्राओं से जागरूकता प्रदान की गई जिसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिल्दा आयुष्मान केंद्र बहेसर से अनिल नेताम एस सी एल एस गीतांजलि देवांगन एचआईवी काउंसलर किशोर मनहरे दंत चिकित्सक सहायक, डॉ श्रीकांत वर्मा आदि लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दौरान एवं कार्यक्रम के बाद स्कूल के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं में बहुत प्रफ ुल्लित दिखाई दिए साथ ही प्रश्न उत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, अतः इन सभी कार्यक्रम पूर्णतः सफलता के साथ संपन्न हुआ।

सांसद रूपकुमारी चौधरी के प्रयासों से छुईपाली, पालीडीह सड़क निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति, 3293.24 लाख मंजूर

व्यापारी, किसान, विद्यार्थी एवं आमजन को आवागमन में समय और लागत में मिलेगा लाभ

सरायपाली। सरायपाली विकास खंड के छुईपाली से पालीडीह तक सड़क निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति मिलना संपूर्ण क्षेत्र के लिए गर्व, उत्साह और विकास की नई संभावनाओं से भरा ऐतिहासिक क्षण है। यह उपलब्धि सांसद रूपकुमारी चौधरी जी के सतत प्रयास, मजबूत नेतृत्व और क्षेत्र के जनहित के प्रति समर्पित प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष परिणाम है। इस सड़क निर्माण के लिए 3293.24 लाख (बत्तीस करोड़ तिरानवे लाख चौबीस हजार) की राशि स्वीकृत की गई है, जो क्षेत्र की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस परियोजना की स्वीकृति के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, का हृदय से आभार और धन्यवाद प्रकट किया जाता है, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना को मंजूरी प्रदान कर क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग को पूर्ण किया। सड़क निर्माण के दूरगामी लाभ, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के बीच आवागमन अत्यधिक सुगम होगा, व्यापारी, किसान, विद्यार्थी, व्यवसायी एवं आमजन को आवागमन में समय और

लागत में उल्लेखनीय लाभ मिलेगा, रोजगार, व्यापार एवं परिवहन गतिविधियों को नई गति मिलेगी। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच तेज़ एवं सरल होगी। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल शिशुपाल तक यात्रियों एवं पर्यटकों का आवागमन सुरक्षित, सहज व सुविधाजनक होगा, जिससे स्थानीय पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह सड़क आगामी समय में स्थानीय विकास, अर्थव्यवस्था, पर्यटन, सामाजिक सुविधाओं और क्षेत्र के सम्पूर्ण प्रगति को नई दिशा प्रदान करते हुए मील का पत्थर सिद्ध होगी।

दावा रहित जमा राशियों के लिए 12 दिसम्बर को जिला स्तरीय मेगा शिविर

गरियाबंद। वित्त मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा भारत के 100 जिलों में दावा रहित जमा राशियों के लिए जिला स्तरीय मेगा शिविर का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में शुक्रवार 12 दिसम्बर 2025 को सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 तक किया जाएगा। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य से गरियाबंद जिले को चयनित किया गया है। गरियाबंद जिले में कुल 29 हजार 91 खातों में 6 करोड़ रूपयें से अधिक की राशि जमा है। इस शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक दावा रहित जमा राशि को उनके सही दावेदारों को प्रदान किया जाना है और अधिक से अधिक आवेदनों का निपटान किया जाना है।

नित्य योग का रजत जयंती 12 दिसंबर को

महासमुंद। शहर में योग का निरंतर 25 वर्ष पूर्ण होने पर योगभवन महासमुंद में 25 वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 12 दिसंबर शुक्रवार को स्वामी शिवानन्द योगभवन कचहरी चौक में सुबह 10 बजे से भजन कीर्तन एवं 12 बजे से भोजन प्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

जनदर्शन में कलेक्टर उइके ने 37 आवेदकों की सुनी समस्याएं

कलेक्टर उइके ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने जनदर्शन में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आये नागरिकों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर उइके ने आज जनदर्शन में 37 लोगों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम धौराकोट के दशरथ नागेश ने विद्युत कनेक्शन लगवाने, ग्राम पिपरछेड़ी की ओमेश्वरी सेवक ने असंगठित कर्मकार मूल्य सहायता योजना का पैसा दिलाने, ग्राम दादरगाँव के रामजी विश्वकर्मा ने वनाधिकार पट्टा प्रदान कराने, ग्राम बाजड़ी की बालमती सोनवानी ने जमा राशि वापस दिलाने, ग्राम नांगझर के बुधुराम तेली ने पश ुशेड का पैसा दिलाने, गरियाबंद की चैतीबाई यादव ने अनुदान राशि प्रदान कराने, ग्राम घोटपानी के मदन लाल मरकाम ने वन पट्टा में भौतिक सत्यापन कराने, ग्राम धौराकोट के किशोर कुमार ने उचित जांच कराने, ग्राम छुईहा के पुखराज सिन्हा ने पीएम आवास योजना का लाभ प्रदान करने, ग्राम गाड़ाघाट के भागीराम ने बिजली बिल में सुधार करवाने के लिए आवेदन सौंपा। इस पर कलेक्टर उइके ने उपस्थित अधिकारियों को अपने समक्ष बुलाकर आवेदकों के मांग एवं समस्याओं को यथाशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर नवीन भगत सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

फेटो - जनदर्शन

इन दिनों इलाकों में चल रही शीतलहर, गर्म कपड़ों व अलाव का ले रहें सहारा

सरायपाली। अंचल में इन दिनों तेज शीतलहर चल रही है और न्यूनतम तापमान में भी गिरावट आ गई है। सुबह कोहरा छाने लगा है और दिन में सर्द हवाओं के साथ शाम से ही शीतलहर तेज हो जाती है। जिससे लोगों को कंपकंपाने वाली सर्दी का सामना करना पड रहा है। सर्दी के बचाव के लिए लोग गर्म कपडों के अलावा अलाव का भी सहारा ले रहे हैं। हांलाकि सर्दी का यह दौर जहां आम नागरिकों के लिए परेशानी भरा साबित हो रहा है, वहीं फसलों के लिए लाभदायक है। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले दो दिनों से तापमान में गिरावट के साथ सर्द हवाएं भी चल रही हैं और कंपकंपाने वाली सर्दी

पडने लगी है। इन दिनों इलाके का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियश तक पहुंच रहा है। जबकि अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री तक बना। हुआ है। तापमान में गिरावट के चलते सुबह से ही इलाके में कोहरा छाने लगता है और दिन में सर्द हवाओं के कारण दोपहर की धूप भी पूरी राहत नहीं दे पा रही है। शाम होते ही शीतलहर की तीव्रता बढ जाती है और लोगों को शाम से ही स्वेटर, जरकिन, मफलर, टोप आदि पहनकर निकलना पड रहा है। वहीं सर्दी के चलते नागरिक सर्दी जुकाम, बुखार से भी परेशान हो रहे हैं। दूसरी ओर अच्छी सर्दी के चलते फसलों को काफी राहत मिल रही है। वहीं तेज सर्दी को देखते हुए नगर के प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की तैयारी की जा रही है। ताकि सार्वजनिक स्थानों पर एकत्रित होने वाले लोगों को सर्दी से राहत मिल सके। वहीं इन दिनों रबी सीजन की बुबाई के बाद फसलों में पहली सिंचाई का दौर शुरू हो गया है। ऐसे में अच्छी सर्दी से फसलों की वृद्धि के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। कृषि विशेषज्ञ की माने तो सर्दी में रबी सीजन की फसलों की वृद्धि अच्छी होती है। अभी चना, मसूर, गेहूं की फसल शुरूआती अवस्था में हैं। ऐसे में सर्दी का यह दौर उनके लिए लाभदायक ही साबित हो रहा है। किसानों को अपनी फसलों में पहली सिंचाई शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि पहली सिंचाई में गेहूं में यूरिया का कम छिडकाव करें और दलहनी फसलों में तो यूरिया का छिडकाव बिलकुल भी न करें। उधर इलाके के मौसम का हाल बताने वाली वेबसाइटों के अनुसार आगामी 15 दिसंबर तक इलाके का न्यूनतम तापमान 9 से 10 डिग्री तक ही बना रहेगा। जिससे सर्दी का असर ऐसा ही रहेगा। इसके बाद तापमान में थोडा उछाल आएगा।

वनांचल क्षेत्र नगरी में आयुर्वेदिक इम्यूनाइजेशन का रिकॉर्ड

कमार जनजाति के बच्चों सहित 2200 से अधिक बच्चों का हुआ स्वर्ण प्राशन

धमतरी। धमतरी जिले के वनांचल नगरी ब्लॉक के ग्राम सांकरा में आयुर्वेद, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वृहद स्वर्ण प्राशन, स्वास्थ्य जांच और बाल संदर्भ कैम्प का आयोजन किया गया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश में आयोजित इस कार्यक्रम में कमार जनजाति के बच्चों सहित कुल 2213 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। वहीं 609 हितग्राहियों को आयुर्वेद चिकित्सा और 201 हितग्राहियों को होम्योपैथिक उपचार से लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 810 हितग्राहियों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और दवाईयां वितरित की गई। इनमें 267 महिलाएं, 242 पुरूष, 145 बालक और 156 बालिकाएं शामिल हैं। इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल संदर्भ योजना के तहत कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच कराई गई तथा बच्चों के पालकों को पूरक पोषण आहार और स्वास्थ्य जांच के लिए परामर्श आदि दी गई। जिले के अन्य केंद्रों में भी 1507 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। आयुर्वेद में वर्णित मुख्य 16 संस्कारों में स्वर्ण प्राशन को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। जैसे आधुनिक चिकित्सा में वैक्सीन द्वारा बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जाती है, ठीक उसी प्रकार आयुर्वेद में वैदिक काल से ही स्वर्ण प्राशन संस्कार को बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की आयुर्वेदिक इम्यूनाइजेशन प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाता रहा है। कार्यक्रम में विधायक अंबिका मरकाम ने कहा कि आयुष विभाग, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग ने समन्वय के साथ उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों के लिए शासन द्वारा आवश्यक आर्थिक सहयोग की भी बात कही। जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है कि आयुर्वेद को देश की प्रथम चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित किया जाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा गुजरात में ग्लोबल सेंटर ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी से सामूहिक प्रयासों द्वारा आयुर्वेद को जन.जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कुपोषण मुक्त नगरी अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में आयुष विभाग ने महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर व्यापक तैयारी की। साथ ही जिले के 36 आयुष संस्थानों में प्रत्येक पुष्य नक्षत्र से स्वर्ण प्राशन प्रारंभ करने की घोषणा की गई। इस अवसर पर सभी अभिभावकों से नियमित रूप से बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराने की अपील की भी की गई। जिला आयुष अधिकारी अवध पचौरी ने बताया कि आचार्य कश्यप सहित अन्य आयुर्वेदाचार्यों ने जिन द्रव्यों का उल्लेख किया है, वे बच्चों की पोषण क्षमता बढ़ाने, कुपोषण दूर करने तथा मन-मस्तिष्क के विकास के लिए उपयोगी माने गए हैं। स्वर्ण प्राशन के द्रवण में स्वर्ण भस्म, शुद्ध शहद, गाय का घी, अश्वगंधा, वचा, शंखपुष्पी और ब्राह्मी प्रमुख तत्व हैं। इस अवसर पर डॉ रवीन्द्र वर्मा सहित स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी के बच्चे तथा स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महापौर रोहरा बने बिलासपुर संभाग के प्रभारी, कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

धमतरी। भाजपा छत्तीसगढ प्रदेश महामंत्री (संगठन) द्वारा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने मुख्यालय, संभाग एवं सहप्रभारियों की नियुक्ति की है। इस नियुक्ति में नगर निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा को बिलासपुर संभाग का प्रभारी बनाया गया है, उनकी इस नियुक्ति से जिले के कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है, इस अवसर पर धमतरी जिले में उन्हे बधाईयों का दौर चल पड़ा है इससे पूर्व भाजपा के नेताओं के आशीर्वाद से भाजपा प्रदेश महामंत्री का दायित्व भी सौंपा गया था जिसे उन्होने बखूबी अंजाम दिया। रोहरा के राजनीतिक जीवन की शुरूआत 1998 में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में की थी उसके बाद से लगातार वे पार्टी को मजबूत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, सर्वप्रथम उन्हे 2005 से 2014 तक भाजपा जिला कोषध्यक्ष तत्पश्चात 2014 से 2019 तक जिला भाजपा के अध्यक्ष पद से फिर प्रदेश महामंत्री एवं वर्तमान मे महापौर के साथ-साथ उन्हे बिलासपुर जैसे बड़े संभाग का प्रभारी नियुक्त किया है रोहरा ने उनकी इस

नियुक्ति के लिए पार्टी के नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो एक छोटे से कार्यकर्ता को उसकी योग्यता के अनुसार दायित्व सौंपा जाता है बिलासपुर संभाग का प्रभारी नियुक्त किये जाने पर उन्होने कहा कि मेरी नियुक्ति हर कार्यकर्ता की नियुक्ति है क्योंकि कार्यकर्ता के सहयोग के बिना कोई कार्य संभव नहीं है। उनकी सक्रियता से जिले में भाजपा को हजारों की संख्या में नये सदस्यों को लाया गया और उन्हे भाजपा के नेताओ के आशीर्वाद से नगरनिगम के पिछले चुनाव में प्रत्याशी घोषित किया गया जिसमें उन्होने अप्रत्याशित जीत दर्ज की और पार्टी का परचम लहराया।जिला भाजपा अध्यक्ष कार्यकाल में इन्होने पार्टी की सेवा में जो अपने हुनर से उसे पिरोते हुए जिले में भाजपा के कार्यकर्ताओं की एक फौज खड़े की है जिससे प्रदेश के नेताओं ने इन्हे प्रोत्साहित करना प्रारंभ किया बीते विधानसभा चुनाव में इन्होने जो व्यवस्थाएं चुनाव प्रचार के दौरान आने वाले नेताओं के लिए सभा के रूप में की थी उससे उनकी व्यवस्था की चहुंओर प्रशंसा होने लगी और उनकी यह कार्यशैली केन्द्र से लेकर प्रदेश स्तर तक के नेताओं में चर्चित रही जिसके कारण इन्हे नेताओं ने अपना आशीर्वाद प्रदान किया प्रदेशा भाजपा महामंत्री बनने के बाद इन्होने उक्त दायित्व को भी बखूबी अंजाम दिया पिछले चुनाव में खड़े किया पार्टी के आशा के अनुरूप इन्होने चुनाव जीतकर भाजपा का परचम लहराया।

महापौर बनने के बाद इन्होने न सिर्फ पार्टी की सेवा कि अपितु शहर के नागरिकों की सेवा की और उनकी समस्याओं का निराकरण किया। महापौर बनने के बाद उन्होने शहर के विकास हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री को अपनी योजनाओं से अवगत कराते हुए उसकी स्वीकृति प्राप्त की और शहर के विकास के लिए करोड़ों रूपये का फंड भी प्राप्त किया। उनके पार्टी प्रेम और उनकी कार्यशैली से अब इन्हे बिलासपुर संभाग का प्रभार दिया गया है वे वहां अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए पार्टी को मजबूत करने और भाजपा में हजारों लोगों को लाने के लिए वहां कार्य करेंगे। जैसे ही जिला धमतरी में उन्हे बिलासपुर प्रभार दिये जाने की जानकारी प्राप्त हुई तो जिलेवासियों ने उन्हे बधाईयां दीं संभवतः वे बिलासपुर पहुंचकर पार्टी के नेताओं के आदेश का पालन करते हुए यह प्रभार संभालेंगे और बिलासपुर संभाग में दौरा कर पार्टी को और मजबूत करने का कार्य करेंगे। उल्लेखनीय रहे कि वर्ष 1998 में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में पार्टी से जुड़ने वाले रोहरा पार्टी के रूप में जो भी जिम्मेदारी दी गई उसका अक्षरशः पालन करते हुए पार्टी को मजबूत करने में अपना बहुमूल्य योगदान देते रहे। यही कारण है कि पार्टी हाईकमान ने इनकी काबिलियत को देखते हुए अनेक महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे।

पीएमजेजेबीवाई क्लेम का त्वरित निपटान नॉमिनी को मिला 2 लाख रुपये का भुगतान

गरियाबंद। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक गरियाबंद शाखा के खाता धारक स्वर्गीय मती रोहिणी बाई पटेल जी का पीएमजेजेबीवाई बीमा था। उनकी अकस्मात मृत्यु होने के बाद इनके पुत्र सदानंद पटेल द्वारा पीएमजेजेबीवाई का क्लेम 8 सितम्बर 2025 को किया गया। जिस पर शाखा प्रबंधक द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 16 सितम्बर 2025 को क्लेम की राशि 2.00 लाख रूपये को नॉमिनी को हस्तांतरित कर दिया गया। जिससे नॉमिनी को अपने अन्य खर्चों के लिए समय से राशि मिल गई। इस पर उन्होंने आभार व्यक्त किया हैं।इस दौरान आईपीपीबी के शाखा प्रबंधक विवेक सोनी, एग्जीक्यूटिव भूपेंद्र साहू एवं एग्जीक्यूटिव सौरभ तायडे उपस्थित थे।

शाखा प्रबंधक द्वारा जिले के सभी निवासियों को अपने नजदीकी डाकघर में जाकर भारत सरकार की इस महत्वपूर्ण बीमा योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इसमें सालाना मात्र 436 में 2 लाख का जीवन बीमा कवर मिल जाता है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ राज्य में 31 दिसंबर तक चलेगा सघन कुष्ठ खोज अभियान

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग रायपुर द्वारा जिले में सघन कुष्ठ खोज अभियान दिनांक 09 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य कुष्ठ रोग की शीघ्र पहचान, त्वरित पुष्टि एवं समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करना है।अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में जिला अंतर्विभागीय समिति (छ्ञ्रस्न) की बैठक रेड क्रॉस सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कुमार विश्वरंजन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी सहित शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण तथा अन्य संबद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।कुष्ठ नियंत्रण कार्यों की समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गई कि वर्तमान में जिले की कुल जनसंख्या 28,80,239 है। वर्ष 2025 में अब तक 437 नए कुष्ठ रोगी पंजीकृत हुए हैं, जिनमें 52 एवं 384 श्रेणी के मामले शामिल हैं, जबकि 601 मरीज उपचाररत हैं। जिले का 2.09 दर्ज किया गया है।अभियान के प्रभावी संचालन हेतु दो-सदस्यीय सर्वेक्षण टीमों का गठन किया गया है, जिनमें एक महिला एवं एक पुरुष शामिल रहेगा। टीमें माइक्रोप्लान के अनुसार घरङ्कघर भ्रमण कर संभावित रोगियों की पहचान करेंगी। सर्वेक्षण कार्य से पूर्व सभी स्वास्थ्य कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है, जिससे फील्ड स्तर पर संवेदनशील एवं त्वरित निरीक्षण सुनिश्चित हो सके।कलेक्टर डॉ. सिंह ने निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें एवं संभावित लक्षण मिलने पर मरीजों को तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में भेजा जाए, जहां मुफ़्त स्ष्ठञ्ज उपचार उपलब्ध है, जो कुष्ठ रोग के पूर्ण उपचार में प्रभावी है। इनमें से कोई भी लक्षण पाए जाने पर तत्काल जाँच एवं पुष्टि कराने की सलाह दी जाती है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ भी संचालित की जाएंगी। जिला प्रशासन ने अपील की है कि सर्वेक्षण टीमों को सहयोग प्रदान करें एवं किसी भी लक्षण की स्थिति में उपचार हेतु विलंब न करें। यह प्रयास रायपुर को कुष्ठ-मुक्त जिले की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

राष्ट्र हमारे लिए मातृभूमि है और उनके लिए मात्र भूमि : सांसद संतोष पाण्डेय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद संतोष पाण्डेय ने वन्देमातरम् की 150वी वर्षगाँठ के दृष्टिगत हुई विशेष चर्चा में भाग लेते हुए लोकसभा में वन्दे मातरम् पर संसद में आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते समय हमारा मस्तक कृतज्ञता से झुक जाता है। गुलामी के चिह्नों को मिटाने का कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। स्वतंत्रता की लड़ाई में वन्दे मातरम् ने युवाओं में प्राण फूँकने का काम किया। वन्दे मातरम् का अर्थ है— माता की आराधना। यह उस माता की आराधना है, जिसकी गोद में हम खेलते हैं और जीवन में आगे बढ़ते हैं। भाजपा सांसद पाण्डेय ने कहा कि हमारे वेद और ग्रंथों में ऋषियों और संतों ने धरती की आराधना की बात कही है। 1965 के भारतङ्कचीन युद्ध के दौरान संसद में पंडित नेहरू ने कहा था कि अक्साई चीन ऐसी बंजर भूमि है जहाँ घास का एक तिनका भी नहीं उगता। इस पर संसद में भाई महावीर त्यागी ने अपनी टोपी उतारकर अपना गंजा सिर दिखाते हुए कहा— यहाँ भी एक तिनका नहीं उगता; क्या इसे भी उन्हें दे दें? पाण्डेय ने कहा कि हमारी जन्मभूमि हमारी मातृभूमि है। पूरा देश जानता है कि अक्साई चीन पर चीन के कब्जे को लेकर कांग्रेस की सरकार उदासीन रही। कांग्रेस और नेहरू के लिए देश महज जमीन का एक टुकड़ा था। भारत भूमि पर जन्म लेने के लिए देवता भी तरसते हैं, पर विपक्ष के मन में जन्मभूमि के प्रति कोई भाव नहीं है। कांग्रेस के नेता कहते थे—इंदिरा इज इण्डिया। इनके लिए इंदिरा गांधी ही इंडिया हैं। कांग्रेस के नेता भारत माता को 'डायन' कहते हैं। वन्दे मातरम् के गौरव के प्रति हम सबको जागृत करने की आवश्यकता है। वन्दे मातरम् को जनङ्कजन तक पहुँचाया जाए, यही मेरी कामना है।

आरंग, माना, पंडरी सहित 18 स्थानों में खोले जाएंगे परिवहन सुविधा केन्द्र

रायपुर। भारत सरकार ने शीघ्र ही परिवहन सुविधा केन्द्र खोलने का निर्णय लिया है। जिसके तहत अब विभिन्न स्थानों में अतिरिक्त सुविधा केन्द्र खोले जाएंगे। जहां पर लाइसेंस सहित अन्य कार्य किए जाएंगे। क्षेत्री परिवहन अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के अभनपुर, माना, आरंग, पंडरी, नयापारा, तोरला, खरोरा, सारागांव, तिल्दा, कोरपा, भैंसा, गोलचौक, सेजबहार, कचना, खमतराई यहां केन्द्र खोले जाएंगे। क्षेत्री परिवहन अधिकारी के अनुसार परिवहन सुविधा केन्द्र मागदर्शिका 2022 का अवलोकन किया जा सकता है। आवेदकों को क्षेत्री परिवहन कार्यालय रायपुर बंजारी माता मंदिर के सामने बिलासपुर रोड रांवाभांटा में वांछित दस्तावेजों के साथ आवेदन देना होगा। भारत सरकार के निर्देश पर यह परिवहन सुविधा केन्द्र खोले जाएंगे। आवेदकों को 28 दिसंबर तक आवेदन जमा करना होगा। आवेदन शुल्क किसी भी हालत में वापस नहीं किया जाएगा। इस केन्द्र का उद्देश्य लोगों को परिवहन के संबंध में जानकारी देना तथा रजिस्ट्रेशन तथा लाइसेंस शुल्क उपलब्ध कराना है।

एनआईटी में पीएम-श्री स्कूल्स टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का हुआ शुभारंभ

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में 8 दिसंबर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक पीएम-श्री स्कूल्स टीचर्स' ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा 7 8 दिसम्बर को इसका उदघाटन समारोह आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि डॉ. एन. वी. रमना राव रहे 7 इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एन डी लोंढे, डीन (कॉर्पोरेट रिलेशंस एंड रिसोर्स मोबिलाइजेशन) डॉ. एस. सन्याल, डीन (एकेडमिक) डॉ. शुभ्रता गुप्ता, तथा सीईसी (कंटीन्यूइंग एजुकेशन सेल) चेयरमैन डॉ. एस. घोष, फैकल्टी मेम्बर्स और प्रतिभाग उपस्थित रहे। कार्यक्रम समन्वयकों में भौतिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. आयुष खरे, रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. एस. पी. महापात्रा और डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर एप्लीकेशन की प्रोफेसर डॉ. प्रियंका त्रिपाठी शामिल हैं। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. आयुष खरे के स्वागत उद्बोधन से हुई, जिसमें उन्होंने पीएम-श्री प्रशिक्षण पहल का परिचय देते हुए बताया कि आईआईटी, एनआईटी और आईआईएसईआर जैसे संस्थानों में से एनआईटी रायपुर को इस प्रशिक्षण हेतु चयनित किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्थान का शैक्षणिक स्तर नवोदय विद्यालयों के समकक्ष है और यह प्रशिक्षण स्कूल से कॉलेज तक छात्रों द्वारा अनुभव किए जाने वाले ज्ञान-अंतर को कम करने में सहायक होगा। डीन (एकेडमिक) डॉ. शुभ्रता गुप्ता ने शिक्षण को सबसे पवित्र पेशा बताते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण शिक्षकों के ज्ञान और अध्यापन कौशल को और समृद्ध करेगा। डीन (सीआरआरएम) डॉ. सन्याल ने प्रतिभागी शिक्षकों की प्रतिबद्धता की सराहना की।

देश का पहला पाठ्यक्रम :छात्रों को मिलेगी बाल अधिकार एवं संरक्षण की जानकारी

रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित भविष्य गढ़ने में सहायक होगा-मुख्यमंत्री

- छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने प्रदेश के 6 विश्वविद्यालयों के साथ किया एमओयू

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों के मध्य रक्षक पाठ्यक्रम के लिए एमओयू संपन्न हुआ। बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि कई बार बच्चे भूलवश या भ्रमित होकर गलत दिशा में चले जाते हैं क्योंकि वे अबोध होते हैं। ऐसे बच्चों को सही मार्ग पर लाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है। किसानों के बकाया बोनस, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना और सबके लिए आवास जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों को साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि 350 से अधिक प्रशासनिक सुधार लागू कर छत्तीसगढ़ सुशासन के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है और इसी उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना भी की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रक्षक पाठ्यक्रम को रिकॉर्ड समय में तैयार करने और विश्वविद्यालयों में इसे लागू करने के लिए आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। बच्चों से भिक्षावृत्ति कराना, परित्यक्त बच्चों का पुनर्वास, और संवेदनशील मामलों का समाधान—ये सभी अत्यंत चुनौतीपूर्ण विषय हैं। उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम संवेदनशील, सजग और सेवा-भावयुक्त युवा तैयार करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इसे राष्ट्रीय स्तर का नवाचार बताते हुए कहा कि भविष्य में छत्तीसगढ़ इस क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने पाठ्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने आयोग और सभी छह विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम लागू करने हेतु बधाई दी। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई-दुर्ग में प्रारम्भ होगा। प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में अब तक ऐसा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं था, जो युवाओं को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस आवश्यकता को देखते हुए आयोग द्वारा रक्षक ङ्क बाल अधिकार संरक्षण पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है। इस पाठ्यक्रम से युवाओं को सैद्धांतिक एवं विधिक ज्ञान, विभागीय योजनाओं, संस्थाओं और प्रायोगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ, बाल संरक्षण इकाइयों आदि के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध होगी।

लोकसभा में तकनीकी शिक्षा को भविष्य-उन्मुख बनाने सांसद बृजमोहन अग्रवाल की मजबूत पहल

- एआई, रोबोटिक्स और उभरती तकनीकों पर सांसद बृजमोहन ने उठाए सार्थक सवाल, शिक्षा मंत्री ने दिया विस्तृत जवाब

रायपुर। संवाददाता

रायपुर, लोकसभा सांसद, दूरदर्शी नेता और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध अग्रवाल ने आज लोकसभा में तकनीकी शिक्षा के भविष्य से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। देश के युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत रोबोटिक्स, जीन-संपादन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के लिए तैयार करने हेतु उठाए जा रहे ठोस कदमों पर उन्होंने सरकार से युवाओं के हितों में जानकारी मांगी। अग्रवाल ने बहुविषयक तकनीकी शिक्षा, नवाचार-उन्मुख अनुसंधान, वित्तीय प्रावधान, संस्थानों के चयन मानदंड और इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम से लाभान्वित होने वाले विद्यार्थियों की संभावित संख्या से संबंधित व्यापक प्रश्नों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि वे देश की तकनीकी शिक्षा प्रणाली को मजूत और भविष्य-उन्मुख बनाने के लिए कितने संकल्पबद्ध हैं।शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकान्त मजूमदार ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर विस्तृत उत्तर प्रस्तुत किया और बताया कि, 2020 के अनुरूप एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स, स्पेस टेक्नोलॉजी आदि उभरते क्षेत्रों को तकनीकी पाठ्यक्रमों में शामिल किया जा रहा है।एआईसीटीई द्वारा उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी, नवाचार परिषदों, अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों और इंटर्नशिप अवसरों को तेजी से बढ़ाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि, 5 वर्षों के लिए 4200 करोड़ रुपये की लागत से देशभर की इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक शिक्षण व्यवस्था में विशाल सुधार लागू किए जा रहे हैं, जिससे लगभग 5.2 लाख विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने हमेशा की तरह न सिर्फ अपने क्षेत्र बल्कि पूरे राष्ट्र के युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने वाले मुद्दों पर मुखरता से आवाज उठाई है। तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, समानता और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप बदलाव सुनिश्चित करने के प्रति उनका यह प्रयास संसद में उनकी सक्रियता और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है।सांसद बृजमोहन अग्रवाल पूर्व में छत्तीसगढ़ सरकार में शिक्षा मंत्री रह चुके है और युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने विद्यालयों और कॉलेजों की आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, गरीब विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क पुस्तकें तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयासों से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दी।

उद्यानिकी फसलों से समृद्धि की राह पर दुर्ग जिले के कृषक

रायपुर/ संवाददाता

दुर्ग जिले में किसानों का रुझान तेजी से उद्यानिकी फसलों की ओर बढ़ रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार की उद्यानिकी प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त अनुदान एवं तकनीकी मार्गदर्शन से कृषक बेहतर पैदावार लेकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जिले में ऑयल पाम, फलदार पौधे, सब्जियों एवं पुष्प उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार दर्ज किया गया है। नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल पाम योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 47 कृषकों के 95.04 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम पौधरोपण किया गया है। पिछले वर्ष 74.61 हेक्टेयर में 37 कृषकों को लाभान्वित किया गया था। धमधा विकासखंड के ग्राम टेमरी के कृषक श्री योगेश साहू ने विभागीय अनुदान से 8 एकड़ में ऑयल पाम पौधरोपण कर हर डेढ़ से दो माह में फसल की कटाई पूर्ण कर 1.5 से 2 लाख रुपये प्रति कटाई सीजन की आय अर्जित की है। उनकी सफलता से प्रेरित होकर जिले के अन्य किसान भी इस फसल की ओर अग्रसर हो रहे हैं। एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत जिले में 152 हेक्टेयर क्षेत्र में केला, पपीता एवं ड्रैगन फ्रूट के विस्तार से 99 कृषक लाभान्वित हो रहे हैं। इसी योजना में 64 हेक्टेयर रकबा में टमाटर, बैंगन एवं प्याज जैसी सब्जियों के विस्तार से 58 किसानों को बेहतर आय का अवसर मिला है। जिले में 50 हेक्टेयर क्षेत्र में 71 कृषक गेंदे के फूल की खेती कर उल्लेखनीय पैदावार प्राप्त कर रहे हैं। ग्राम मलपुरीकला के कृषक श्री अरुण कुमार ने 2 हेक्टेयर रकबे में गेंदा उत्पादन कर अच्छी आय अर्जित की है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत चयनित 46 किसान ग्राफ्टेड बैंगन एवं टमाटर की खेती कर लाभान्वित हुए हैं। ग्राम टेमरी के कृषक श्री हितेश टॉक ने उद्यानिकी विभाग से मार्गदर्शन प्राप्त कर 9 एकड़ में ग्राफ्टेड बैंगन की खेती की। उन्हें प्रति एकड़ 40 टन उत्पादन प्राप्त हुआ, जिससे लगभग 48 लाख रुपये की आय अर्जित की गई। राज्य पोषित समेकित उद्यानिकी विकास योजना के अंतर्गत किसान अपनी खाली भूमि में नींबू, अमरूद, कटहल, आम एवं आंवला जैसे फलदार पौधों का रोपण कर रहे हैं, जिससे भविष्य में उनकी आय के नए स्रोत विकसित होंगे। दुर्ग जिले में उद्यानिकी आधारित खेती न केवल किसानों की आजीविका को सशक्त कर रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान कर रही है।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक ली

सभी एसडीएम और खाद्य विभाग राइस मिल,राशन दुकान का करें निरिक्षण.......

- विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण, धान खरीदी और खाद्यान्न गुणवत्ता की की विस्तृत समीक्षा'
- दुर्घटना में घायल बीएलओ को दी गई आर्थिक सहायता राशि

रायपुर। संवाददाता

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज समय-सीमा की महत्वपूर्ण बैठक लेते हुए विभिन्न विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण , धान खरीदी व्यवस्था, जन दर्शन कॉल सेंटर से प्राप्त आवेदनों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में कहा कि अगले चरण की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली जाएँ। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों की समग्र समीक्षा कर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि पुनरीक्षण कार्य समयबद्ध और त्रुटिरहित रूप से संपन्न हो। बैठक में बीएलओ लक्ष्मी उईके को रेडक्रॉस सोसाइटी की तरफ से 40 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। गौरतलब है कि श्रीमती उईके पश्चिम विधानसभा बूथ क्रं. 65 की बीएलओ है जो एसआई कार्य के दौरान दुपहिया वाहन के ठोकर लगने से घायल हो गई थी। बैठक में धान खरीदी की स्थिति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न आए और खरीदी कार्य पूरी तरह सुव्यवस्थित, पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित हो। उन्होंने केंद्रों में व्यवस्था, सुविधाओं और भीड़ प्रबंधन को और मजबूत करने को कहा।

पशु तस्करी का शक भीड़ ने की तीन लोगों की पिटाई

रायपुर। पशु तस्करी के शक में तीन लोगों की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घायल तीनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरा मामला गुरुर थाना क्षेत्र के भरदा पेवरों मार्ग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, धमतरी के रहने वाले तीन युवक वैध दस्तावेजों के साथ छह मवेशियों को छोटा हाथी वाहन में भरकर करहीभदर मवेशी बाजार बेचने के लिए जा रहे थे। रात लगभग 11:15 बजे भरदाङ्कपेवरों मार्ग पर अज्ञात लोगों ने उनकी गाड़ी रोक ली। इसके बाद भीड़ ने बेल्ट, डंडे और हाथ-मुक्कों से तीनों व्यक्तियों की जमकर पिटाई कर दी।

राज्य स्तरीय कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न

जैव चिकित्सा अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

- मण्डल की यह कार्यशाला इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जहां सभी संबंधित हितधारकों को विस्तृत जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा

रायपुर/ संवाददाता

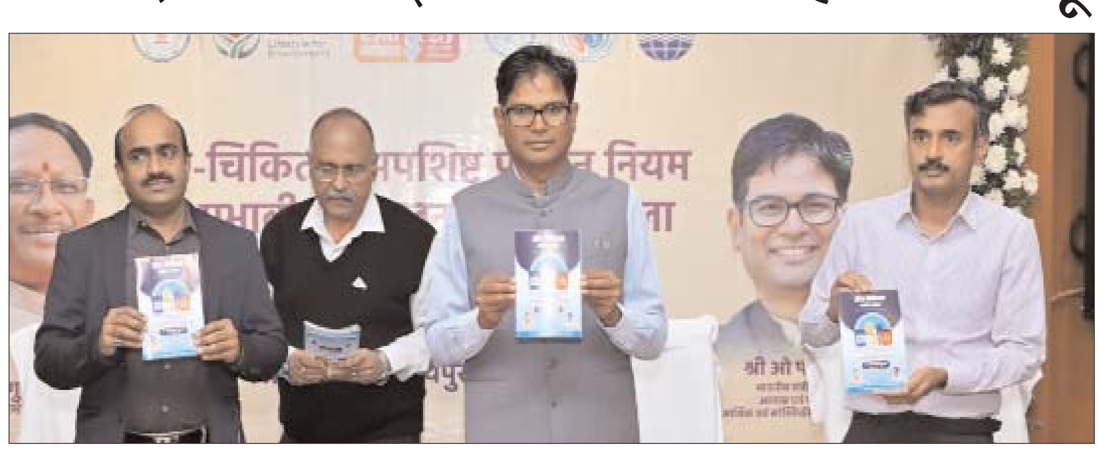

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 (संशोधित 2021) के प्रभावी अनुपालन और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन आज नवा रायपुर में हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वित्त, वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना एवं सांख्यिकी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि जैव चिकित्सा अपशिष्ट का उचित प्रबंधन केवल स्वास्थ्य संस्थानों की नहीं बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जैव चिकित्सा अपशिष्ट का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निपटान सार्वजनिक स्वास्थ्य से सीधे जुड़ा विषय है, इसलिए नियमों का कड़ाई से पालन अत्यंत आवश्यक है। श्री चौधरी ने स्वास्थ्य संस्थानों से अपील की कि वे नियमों को स्पष्ट रूप से समझकर उनका शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला इसी उद्देश्य से आयोजित की गई है ताकि सभी संस्थान नियमों को बेहतर समझ सकें, अपनी समस्याएं निसंकोच साझा कर सकें और समाधान पर सामूहिक रूप से कार्य किया जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आपसी संवाद, सहभागिता और सहयोग से छत्तीसगढ़ राज्य जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन में एक आदर्श राज्य के रूप में उभरेगा। आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव एवं मण्डल के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद ने कहा कि जैव चिकित्सा अपशिष्ट के कुशल प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य संस्थानों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब तक नियमों को सही रूप में नहीं समझा जाएगा, उनका प्रभावी कार्यान्वयन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि मण्डल की यह कार्यशाला इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जहां सभी संबंधित हितधारकों को विस्तृत जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यशाला के आरंभ में मण्डल के सदस्य सचिव श्री राजू अगसिमनि ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में जैव चिकित्सा अपशिष्ट के वैज्ञानिक निपटान, सुरक्षित परिवहन, पृथक्करण, भंडारण और उपचार की प्रक्रियाओं को मजबूत बनाना है। कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री अनुप चतुर्वेदी तथा श्री यादवेन्द्र यादव, अधिवक्ता (सीपीसीबी, भोपाल) ने जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। इस राज्य स्तरीय कार्यशाला में मण्डल के वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रमुख अस्पतालों, नर्सिंग होम, पैथोलॉजी लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर्स, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, नर्सिंग होम एसोसिएशन, चिकित्सा प्रकोष्ठ तथा विभिन्न स्थानीय निकायों के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर आधारित एक मार्गदर्शिका पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

संपादकीय

राष्ट्रीय हित सर्वोपरि, रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा भारत

रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिनकी यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच बनी सहमति द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के साथ-साथ पश्चिम के लिए भी संदेश है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी विदेश नीति राष्टीय हितों और अपने लोगों की जरूरत के हिसाब से तय होती है। आगे भी यही स्वतंत्र नीति जारी रहेगी।यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की इस पहली भारत यात्रा पर पूरी दुनिया की नजरें थीं। अमेरिका-यूरोप यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं, जबकि यही ट्रंप के दोबारा राष्टपति बनने से पहले इसे भड़का रहे थे। वहीं, भारत हमेशा से कहता रहा है कि शांति होनी चाहिए। शुक्रवार को हुए संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत ने यूक्रेन युद्ध खत्म करवाने में भूमिका निभाने की बात कही। मगर यह भी कहा कि वह किसी तरह के दबाव को नहीं मानेगा। पुतिन और मोदी ने द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। 2024-25 में दोनों के बीच 68.7 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था, लेकिन इसमें एक बड़ा हिस्सा रूस से खरीदे गए कच्चे तेल का था। द्विपक्षीय व्यापार में पलड़ा अभी मॉस्को की तरफ झुका हुआ है और भारत के पास मौका है कि वह इसमें संतुलन लाए। यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने से व्यापार में सहूलियत होगी। फिलहाल इस पर बात चल रही है। भारत-रूस के बीच इस सहमति से अमेरिका पर भी दबाव बनेगा, जिसकी एक टीम ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करने के लिए अगले हफ्ते भारत आने वाली है। पुतिन ने कहा है कि वह भारत को तेल की आपूर्ति करना जारी रखेंगे। यह बात बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका को सबसे ज्यादा दिक्कत भारत की रूसी तेल खरीद से ही है। लेकिन, जो देश अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत क्रूड ऑयल बाहर से खरीदता हो, उसके लिए दाम में थोड़ी भी भी कमी बड़ा अंतर लाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस से तेल आयात बढ़ाने पर पहले दो साल में भारत को करीब 13 अरब डॉलर का फायदा हुआ था। इस दौरे से भारत-रूस के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग और बढ़ सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन शानदार रहा, जिसके बाद भारत इसकी और यूनिटें खरीदना चाहता है। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, पुतिनका यह दौरा दोनों देशों के संबंधों को नए दौर में ले जाएगा।

एसआईआर का विरोध: चिन्ता लोकतंत्र की या वोट बैंक की?

(ललित गर्ग)

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत के अनेक राज्यों में स्थानीय राजनीतिक तंत्र विदेशी घुसपैठियों के लिए न केवल छत्रछाया प्रदान करता रहा है, बल्कि उन्हें वोट-आधारित पहचान और सुविधाओं तक पहुंच भी दिलाता रहा है। इन परिस्थितियों में एसआईआर जैसी प्रक्रिया न केवल उचित है, बल्कि अत्यंत आवश्यक है।

भारत का लोकतंत्र आज जिस निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, वहां उसकी विश्वसनीयता और मजबूती का सवाल पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गया है। चुनावों की पारदर्शिता, मतदाता सूची की शुचिता और राष्टीय सुरक्षा की दृष्टि से मतदाता पहचान की सत्यता को बनाए रखना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को सुरक्षित रखने का मूल तत्व है। विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई वह अनिवार्य प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची में मौजूद संदिग्ध, दोहरे या अवैध प्रविष्टियों की पहचान और सत्यापन किया जा सके। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस कार्य को लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक कदम माना जाना चाहिए, उसे कुछ विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के चश्मे से देख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में जिस प्रकार के उतावले, भावनात्मक और अक्सर तथ्यहीन तर्क प्रस्तुत किए गए, उससे यही प्रतीत होता है कि यह विरोध किसी तर्क या सिद्धांत का नहीं, बल्कि वोट-बैंक की चिंता का परिणाम है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर बेतूका राष्ट-विरोधही अड़ंगा लगाने वालों को आईना ही दिखाया कि बिहार में तो एक भी व्यक्ति यह शिकायत करने नहीं आया कि उसका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि बिहार में एसआईआर के समय कुछ खास लोगों के वोट काटे जाने का आरोप उछालने वाले भी ऐसे कथित पीड़ित लोगों के उदाहरण का साक्ष्य नहीं दे सके थे। हालांकि बिहार में एसआईआर पर विपक्षी दलों को मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वे बाज नहीं आ रहे हैं और अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर की प्रक्रिया को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष खड़े हैं। यह तब है, जब एसआईआर वाले राज्यों में करीब 65 प्रतिशत फार्म भरे जा चुके हैं। इसका मतलब है कि लोग इस प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं। एसआईआर होना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि मतदाता सूचियों में भारी त्रुटियां एवं विसंगतियां है, बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम दर्ज हैं, जिनकी मृत्यु हो गई है या फिर जो अन्यत्र चले गए हैं। इसके अलावा ऐसे भी लोग हैं, जिनके पास दोहरे मतदाता पहचान पत्र हैं। चुनाव आयोग एसआईआर के जरिये इन्हीं विसंगतियों को दूर कर रहा है, लेकिन विपक्षी दलों को पता नहीं क्यों यह रास नहीं आ रहा है। वे मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की शिकायत भी कर रहे हैं और एसआईआर भी नहीं होने देना चाहते है। लोकतंत्र की जड़ों में सबसे बड़ा विष तब घुलता है जब मतदाता सूची अवैध हस्तक्षेपों, बाहरी घुसपैठियों और राजनीतिक संरक्षण के सहारे खड़ी प्रविष्टियों से दूषित होने लगती है। भारत लंबे समय से विदेशी घुसपैठ की समस्या से जूझ रहा है। राज्यों के बीच असंतुलित प्रवासन, सीमावर्ती क्षेत्रों में बेतरतीब आबादी का फैलाव, राजनीतिक शरण और संरक्षण के नाम पर अवैध बसेरों का निर्माण-ये सब ऐसी वास्तविकताएं हैं जिन्हें अनदेखा करना राष्टहित से खिलवाड़ है।

एसआईआर की प्रक्रिया इसीलिए आरंभ की गई कि मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध, विश्वसनीय, पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित बनाया जा सके। यह प्रक्रिया किसी समुदाय, क्षेत्र या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पहचान के सत्यापन पर आधारित है। यह समान रूप से हर उस मतदाता की जांच करती है जो कानूनन इस प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा इसे अधिकारों पर हमला, राजनीतिक भेदभाव या अविश्वास की राजनीति से जोड़ना केवल दुष्प्रचार एवं भोलेभाले लोगों को गुमराह करना है। यह सवाल इसलिए उठता है कि जब प्रक्रिया सबके लिए समान है, सभी क्षेत्रों पर लागू है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशन में संचालित हो रही है, तो किस आधार पर इसे लोकतंत्र विरोधी कहा जा सकता है? वास्तव में विपक्ष इस प्रश्न का ठोस, तथ्यपूर्ण उत्तर देने में असफल रहा है। यह आशंका निराधार नहीं कि बंगाल जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए मतदाता बन बैठे हैं। उनके बांग्लादेश लौटने से इसकी पुष्टि भी होती है। यह ठीक है कि पहचान पत्र के रूप में आधार भी मान्य है, लेकिन उसे भी फर्जी तरीके से बनवाया गया हो सकता है। ऐसे में चुनाव आयोग को दस्तावेजों के सत्यापन का अधिकार मिलना ही चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत विपक्षी तर्कों का विश्लेषण करें, तो उनमें वास्तविक तथ्यों एवं आंकड़ों का अभाव है। भावनात्मक अपीलें, आशंकाओं का जानबूझकर सृजन, प्रशासनिक प्रक्रिया को अविश्वसनीय बताने का प्रयास, और तथ्यों से अधिक आरोपों का शोर-ये सब इस बात की ओर संकेत करते हैं कि उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक जमीन को बचाना है। यदि मतदाता सूची वास्तव में त्रुटिरहित है, यदि घुसपैठियों का प्रश्न बिना आधार का है, यदि किसी वर्ग की वैधता पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं, तो फिर सत्यापन से भय क्यों? सत्यापन तो वही व्यक्ति या समूह टालेगा, जो स्वयं को संदेह के घेरे में पाता हो। जो स्वच्छ, वैध और तथ्यपूर्ण हैं उन्हें कभी डर नहीं होता कि जांच उनके लिए समस्या बन जाएगी। इसलिए यह विरोध लोकतंत्र की चिंता नहीं बल्कि लोकतंत्र का उपयोग करके अपने हित साधने की कोशिश प्रतीत होता है। भारत की चुनाव प्रणाली में वर्षों से यह शिकायत उठती रही है कि मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टियां, मृत व्यक्तियों के नाम, काल्पनिक मतदाता और बाहरी लोगों की अवैध प्रविष्टियां बढ़ती जा रही हैं। इनमें से अधिकांश समस्याएं प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं, लेकिन एक बड़ा हिस्सा ऐसे राजनीतिक हितों का भी है जो ऐसी प्रविष्टियों को बनाए रखने में खुद को लाभान्वित देखते हैं।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत के अनेक राज्यों में स्थानीय राजनीतिक तंत्र विदेशी घुसपैठियों के लिए न केवल छत्रछाया प्रदान करता रहा है, बल्कि उन्हें वोट-आधारित पहचान और सुविधाओं तक पहुंच भी दिलाता रहा है। इन परिस्थितियों में एसआईआर जैसी प्रक्रिया न केवल उचित है, बल्कि अत्यंत आवश्यक है। यह प्रक्रिया जितनी देर से लागू होगी, लोकतंत्र पर उतना ही खतरा बढ़ेगा। एसआईआर के विरोध का एक और पक्ष भी है, और वह है विपक्ष का यह डर कि यदि मतदाता सूची शुद्ध कर दी गई, तो उनका चुनावी गणित प्रभावित होगा। यह राजनीति का वह पक्ष है जिसमें आदर्शवाद के लिए बहुत कम जगह है। राजनीतिक दल अक्सर यह मानकर चलते हैं कि जहां संख्या उनके पक्ष में है, वहां सुधार का कोई हस्तक्षेप उनकी स्थिति को कमजोर कर सकता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है, क्योंकि लोकतंत्र केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि नागरिक विश्वास और संवैधानिक मूल्यों का संरक्षक है।

एसआईआर का उद्देश्य किसी को मताधिकार से वंचित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मताधिकार का उपयोग वही करे जो इसके योग्य है, जो देश का वैध नागरिक है, और जिसका नाम सही तरीके से मतदाता सूची में दर्ज है। भारत का भविष्य उन सुधारों पर निर्भर करता है जो चुनावों को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाएं। जब तक मतदाता सूची शुद्ध नहीं होगी, तब तक चुनाव परिणामों पर संदेह रहेगा और लोकतंत्र की साख कमजोर होती जाएगी। एसआईआर इस दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जिसे किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव या भ्रम फैलाने वाले अभियानों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में यह प्रक्रिया और अधिक निष्पक्ष और संरक्षित होती है, इसलिए विरोध के ये प्रयास और भी आधारहीन प्रतीत होते हैं।

लोकतंत्र की मरम्मत और मजबूती का यह अवसर खोना राष्टहित के विरुद्ध होगा। जो दल इस प्रक्रिया को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, वे भले ही इसे जनता के हित का मुद्दा बताने का प्रयास करें, परंतु वस्तुतः वे अपने संकीर्ण हितों की रक्षा कर रहे हैं। भारत को ऐसी राजनीति की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जो सत्य को प्राथमिकता दे, सत्ता से अधिक संविधान को महत्व दे, और मतदाता सूची को राजनीतिक हथियार नहीं बल्कि लोकतंत्र की पवित्र सूची माने। एसआईआर की गति और दायरा इसलिए न केवल बनाए रखना चाहिए, बल्कि उसे और भी तेज, निर्णायक और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि भारत का लोकतंत्र अवैध प्रभावों से मुक्त होकर एक मजबूत, पारदर्शी और विश्वसनीय भविष्य की ओर अग्रसर हो सके। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लोकतांत्रिक दायरे में ही हो नागरिकों की निगरानी

(राहुल मथान)

साल 2011 में अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो ने टिमोथी कारपेंटर को मिशिगन व ओहायो में हुई कई हथियारबंद डकैतियों का सरगना बताया। सुबूत इकट्ठा करने के लिए किसी सर्च वारंट के बजाय ब्यूरो ने अदालत से एक ऐसा ऑर्डर लिया, जिससे कारपेंटर के मोबाइल ऑपरेटर को सेल-साइट लोकेशन डाटा देने को बाध्य किया जा सके। इस डाटा को पाने के बाद ब्यूरो ने कारपेंटर के डिजिटल इतिहास को खंगाला, जिससे करीब 12,898 अलग-अलग लोकेशन प्वॉइंट का पता चला और इस तरह गुजरे चार महीने की उसकी हरकतों के तमाम तार जुड़ गए।

जाहिर है, हमारे द्वारा छोड़े गए डिजिटल निशान ने कानूनी जांच एजेंसियों को अपराधों की जांच के नए तरीके मुहैया कराए हैं। स्थान की जानकारी (जैसा कारपेंटर मामले में दिखा) के अलावा, जांच-पड़ताल करने वाली एजेंसियां मोबाइल संदेशों और डिजिटल भुगतान जैसे अन्य डाटा स्रोतों तक भी पहुंच सकती हैं, जिससे उन आपराधिक गतिविधियों का भी पता लगाया जा सकता है, जो अन्यथा पकड़ में नहीं आ सकतीं। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने 'इन्वेस्टिगेटरी पावर्स ऐक्ट' के तहत हाल ही में मोबाइल फोन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया है कि अनुरोध करने पर वे उपयोगकर्ता के डाटा को 'डिक्रिप्ट' करेंगी। इसके कारण निर्माताओं को ब्रिटेन में बेचे जाने वाले फोन में एंड-टु-एंड एन्क्रिप्शन को कमजोर करना पड़ा। फ्रांस की सीनेट ने भी अपने जस्टिल बिल में संशोधन किया है, जिसके तहत मैसेज सुविधा देने वाले मंचों को तकनीकी रूप से ऐसा एक दरवाजा बनाना होगा, ताकि जांच-प्रक्रिया के दौरान पुलिस एन्क्रिप्टेड मैसेज पढ़ सके।

हालांकि, तकनीक का हर मुमकिन लाभ उठाने के इन प्रयासों को अदालतों में कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जब कारपेंटर का मामला अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, तो प्रधान न्यायाधीश रॉबर्ट्स ने बिना वारंट जब्ती को असांविधानिक बताया। ब्रिटेन और फ्रांस की हालिया पहल पर अदालतों का फैसला आना अभी बाकी है। वैसे, यूरोपीय न्यायालय ने पहले ही उन कानूनों को अमान्य करार दे दिया है, जिनमें दूरसंचार कंपनियों के लिए अपने सभी उपयोगकर्ताओं का मेटाडाटा रखना जरूरी बनाया गया था।

भारत भी अपवाद नहीं है। पश्चिम जैसी सांविधानिक चिंताएं यहां भी उभरकर सामने आ रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) के नियमों में संशोधन को अदालत में इस आधार पर चुनौती दी गई है कि इसका पालन करने के लिए मैसेजिंग कंपनियों को एंड-टु-एंड एन्क्रिप्शन खत्म करना होगा। इस संशोधन में अनुरोध किए जाने पर सोशल मीडिया के मंचों द्वारा 'सूचना के प्रथम स्रोत की पहचान जाहिर करने' को कहा गया है। इसी तरह, भारतीय कर अधिकारियों ने भुगतान एग्रीगेटर्स को नोटिस जारी करके उनको गैर-पंजीकृत व्यापारियों और संभावित कर चूककर्ताओं की पहचान करने के लिए यूपीआई लेन-देन का डाटा बताने का निर्देश दिया है। इन दोनों प्रयासों को पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ मामले में आए फैसले के संदर्भ में देखा जाएगा। इसमें निजता को गरिमा, स्वतंत्रता और समानता से जुड़ा एक मौलिक अधिकार माना गया था। बेशक, कानून लागू करने वाली एजेंसियों के लिए फोरेंसिक जांच के नए तरीके अपनाना संभव हो गया है, लेकिन इसे पूरी आबादी पर एक साथ लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि ज्यादातर लोकतंत्र अपने नागरिकों को निजता का अधिकार देते हैं। इसीलिए, अपराधी भले नई तकनीकी का फायदा उठाकर अपराध कर रहे हों, मगर कानूनी एजेंसियां ऐसे उपाय नहीं कर सकतीं, जो सांविधानिक गारंटियों को कमजोर करते हों। इसके बजाय, उन्हें डिजिटल जमाने के हिसाब से फोरेंसिक उपकरण तैयार करने चाहिए। डिफरेंशियल प्राइवेसी, सिक्योर मल्टी-पार्टी कंप्यूटेशन व एनोमली-डिटेक्शन एल्गोरिदम जैसी तकनीक लोगों की पहचान उजागर किए बिना एकत्रित डाटा में पैटर्न का खुलासा कर सकती है। अगर इसमें किसी गड़बड़ी का शक हो, तभी एजेंसियों को निजी जानकारी मांगने की इजाजत मिलनी चाहिए। ये तरीके निस्संदेह पारंपरिक व्यवस्था से अलग हैं, पर ये सांविधानिक गारंटियों के अधिक करीब हैं। (लेखक साइबर विशेषज्ञ है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

24 घंटे में 3 बार मिले मोदी –पुतिन... कई महत्वपूर्ण डील लेकिन एस–500, एसयू–57 पर नहीं खोले पत्ते?

(अनिल कुमार)

रूसी राष्टपति पुतिन की भारत यात्रा खत्म हो चुकी है। पुतिन की इस यात्रा पर दुनियाभर की निगाहें टिकी थीं। दोनों देशों को बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों की घोषणा हुई। हालांकि, जिस डील पर सब लोगों की नजरें थी, एस-500 और एसयू-57 फाइटर प्लेन को लेकर कोई ऐलान नहीं हुआ। रूसी राष्टपति पुतिन का भारत दौरा पूरा हो चुका है। रूसी राष्टपति की इस भारत यात्रा पर दुनियाभर की नजरें लगी थीं। नई पुतिन ने दिल्ली में 23वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान भारत और रूस के बीच व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और तकनीकी समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई और समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राष्टपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी ने 2030 तक 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य रखा। खास बात है कि इस दौरे में पुतिन और पीएम मोदी की तीन बार मुलाकात हुई। इसके बावजूद दोनों नेताओं की तरफ से बहुप्रतीक्षित एस-500 मिसाइल डिफेंस सिस्टम और एसयू-57 फाइटर प्लेन से जुड़े समझौते या किसी भी घोषणा का जिक्र नहीं हुआ।

डिफेंस पार्टनरशिप में बदलाव के संकेत

भारत और रूस ने अपनी दशकों पुरानी डिफेंस पार्टनरशिप में एक बड़े बदलाव का संकेत दिया है। दोनों देशों ने ट्रेडिशनल बायर-सेलर मॉडल से जॉइंट रिसर्च, डेवलपमेंट, को-प्रोडक्शन और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी शेयरिंग पर आधारित मॉडल में बदलने की योजना की घोषणा की। मोदी-पुतिन समिट के बाद जारी एक जॉइंट स्टेटमेंट में कहा गया कि यह बदलाव डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में भारत की आत्मनिर्भरता की कोशिशों से मेल खाता है। इससे उम्मीद है कि मॉस्को आने वाले समय में नई दिल्ली का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर बना रहेगा।

दोनों पक्ष पहले से सर्विस में मौजूद रशियन प्लेटफॉर्म को बनाए रखने के लिए जरूरी स्पेयर पार्ट्स, कंपोनेंट्स और दूसरे इक्विपमेंट का भारत में जॉइंट प्रोडक्शन बढ़ाने पर सहमत हुए। इसमें मेक इन इंडिया पहल के तहत मैन्युफैक्चरिंग शामिल है। इसे टेक्नोलॉजी ट्रांसफर कमिटमेंट्स से सपोर्ट मिला है। स्टेटमेंट में कहा गया कि दोनों देश भारत की आर्म्ड फोर्सेस को सप्लाई करने और आखिर में बाद में आपसी फ्रेंडली तीसरे देशों को एक्सपोर्ट करने के लिए जॉइंट वेंचर्स पर भी विचार करेंगे।

एस-500, एसयू-57 पर क्यों नहीं हुई घोषणा?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत और रूस की तरफ से भले ही इस बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन दोनों पक्षों की तरफ से इस दिशा में पर्दे के पीछे सकारात्मक चर्चा चल रही है। चूंकि दुनियाभर की निगाहें इस मीटिंग पर थी, ऐसे में भारत और रूस रणनीति के तहत इस पर प्रत्यक्ष रूप से कोई घोषणा नहीं की। अमेरिका जैसे देश रूस से बड़े हथियारों की खरीद पर अपनी चिंता जताते रहे हैं।

डिफेंस एक्सपर्ट्स के अनुसार ऐसे में यदि भारत और रूस की तरफ से तुरंत कोई बड़ी घोषणा होती तो पूरा मोमेंट उस तरफ शिफ्ट हो जाता। एक्सपर्ट का कहना है कि रक्षा सौदे अक्सर एक लंबी और गोपनीय प्रक्रिया होते हैं। यह कोई नई बात नहीं है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पिछली एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद को लेकर भी शुरुआत में कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई थी। डील को सार्वजनिक करने से पहले दोनों देश सभी तकनीकी, वित्तीय और रणनीतिक पहलुओं को अंतिम रूप देने को तरजीह देते हैं।

एसयू-57 पर फुल टेक्नोलॉजी ट्रांसफर

भारत एसयू-57 के लिए पूरी तरह से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और रूस के साथ मिलकर प्रोडक्शन करना चाहता है। हालांकि, रूस की तरफ इस दिशा में सकारात्मक संकेत दिए जा चुके हैं। ऐसे में दोनों पक्ष डील के सभी पहलुओं पर पर्दे के पीछे व्यापक चर्चा कर रहे हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, रूस अभी भी एसयू-57 को अपनी वायुसेना के लिए सीमित संख्या में यूज कर रहा है। ऐसे में उसका पूरा फोकस अभी घरेलू डिमांड को पूरा करना है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने पहले ही संकेत दिया था कि बातचीत का ध्यान 'व्यापक रक्षा सहयोग' पर होगा, न कि 'सुर्खियां बटोरने वाली घोषणाओं' पर।

आरएएमपी के तहत जिला स्तरीय संवेदनशीलता कार्यक्रम गिरोला में सम्पन्न

कोण्डागांव। ग्राम पंचायत गिरोला में 10 दिसम्बर को एमएसएमई के लिए आरएएमपी योजना के तहत जिला स्तरीय संवेदनशीलता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के विकास एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से ग्राम पंचायत गिरोला में रेम्प योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय संवेदनशीलता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य उद्यमियों, सेल्फ हेल्प ग्रुप के सदस्यों, महिला उद्यमियों, कारीगरों तथा स्टार्टअप इकाइयों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, तकनीकी सुधारों, बाजार अवसरों एवं वित्तीय सहायता से अवगत कराना है। कार्यक्रम का शुभारंभ असिस्टेंट मेनेजर जिला उद्योग व्यापार केंद्र नम्रता एल्मा ने एमएसएमई क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आरएएमपी योजना उद्यमियों को तकनीकी उन्नयन, क्षमता निर्माण, बाज़ार विस्तार और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।कार्यक्रम में रेम्प योजना एवं एमएसएमई क्षेत्र से संबंधित प्रमुख नीतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। एमएसएमई की परिभाषा, पंजीकरण प्रक्रिया तथा राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का विवरण प्रतिभागियों को समझाया गया। उद्यमिता विकास, व्यवसाय प्रबंधन और वित्तीय सुलभता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई। साथ ही, डिजिटल सक्षमता, ई कॉमर्स एवं मार्केटिंग प्लेटफ़ॉर्म के उपयोग की प्रक्रिया पर मार्गदर्शन दिया गया। व्यवसाय संचालन में जोखिम प्रबंधन और व्यापार निरंतरता सुनिश्चित करने के उपायों पर प्रकाश डाला गया। महिला उद्यमियों, स्व सहायता समूहों तथा कारीगर समूहों के लिए उपलब्ध विशेष सहायता एवं अवसरों की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम के अंत में विशेषज्ञों द्वारा इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों के प्रश्नों के समाधान भी दिए गए।कार्यक्रम में जिले भर से 35 उद्यमियों एवं इच्छुक प्रतिभागियों ने भाग लिया। उपस्थित प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी, प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम में अधिकारी, प्रतिनिधियों सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत गिरोला में रेम्प (रायजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंश द्वारा सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों और अतिथियों का धन्यवाद प्रकट कर कार्यशाला का समापन किया गया।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल-2 की छात्राओं ने समझा ग्राहक व्यवहार और व्यापार वृद्धि का गणित

जगदलपुर। आज के डिजिटल युग में व्यावसायिक निर्णयों में डेटा के बढ़ते महत्व को रेखांकित करने के लिए, सेजस शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02, जगदलपुर में बुधवार 10 दिसंबर को रिटेल ट्रेड के छात्रों हेतु एक विशेष अतिथि व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसका मुख्य विषय मार्केटिंग में बिजनेस डेटा का महत्व था। इस गेस्ट लेक्चर का प्राथमिक उद्देश्य छात्राओं को यह समझाना था कि वर्तमान समय में बिजनेस के हर छोटे-बड़े निर्णय डेटा पर आधारित होते हैं और यह डेटा किस प्रकार बिजनेस स्ट्रैटजी, मार्केटिंग प्रयासों, ग्राहक व्यवहार की समझ और भविष्य की ग्रोथ प्लानिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता के रूप में मार्केटिंग डेटा एनालिस्ट सौरभ भट्टाचार्य को आमंत्रित किया गया था। भट्टाचार्य ने अपने व्यापक अनुभव को साझा करते हुए छात्राओं को विस्तार से समझाया कि व्यावसायिक डेटा कैसे एकत्र किया जाता है, इसकी सुरक्षा क्यों महत्वपूर्ण है, और भविष्य के निर्णय लेने के लिए डेटा का विश्लेषण करना कितना आवश्यक है।

एनएमडीसी किरन्दुल में वार्षिक खान सुरक्षा समारोह का किया गया आयोजन

किरंदुल। बीआईओएम किरंदुल कॉप्लेक्स में 04 से 09 दिसंबर तक खान सुरक्षा महानिदेशालय, बिलासपुर क्षेत्र के तत्वावधान में वार्षिक सुरक्षा समारोह-2025 मनाया गया। रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक ने प्रशासनिक भवन के प्रांगण में सुरक्षा ध्वज फहराकर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई। डीजीएमएस द्वारा गठित निरीक्षण दल ने किरंदुल परियोजना की खदान, संयंत्रों, प्रशिक्षण सुविधा और ओएचएस सुविधा का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा के उच्च मानक बनाए रखने के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की सराहना की। वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह के दौरान सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों, छात्रों और गृहिणियों के लिए विभिन्न सुरक्षा संबंधी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डीएवी स्कूल, किरंदुल के सभागार में मंगलवार की संध्या आयोजित वार्षिक खान सुरक्षा समारोह के दौरान मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया, साथ ही छात्रों और कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा नाटक का मंचन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक, बी.आई.ओ.एम., किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने अपने संबोधन में कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और कहा कि सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए तथा स्वास्थ्य, सुरक्षा मानक में और सुधार के लिए सुरक्षा संस्कृति पर जोर दिया जाए। श्रमिक प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया और कार्यस्थल पर सुरक्षा के उच्च स्तर बनाए रखने के लिए किए जा रहे उपायों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान के.पी. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), एस.के. कोचर, महाप्रबंधक (खनन)/ खान प्रबंधक, सभी विभागाध्यक्ष, वरि. अधिकारीगण, श्रमिक प्रतिनिधि, वर्कमेन इंस्पेक्टर, सुरक्षा समिति के सदस्य, कर्मचारी व स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रितेश मिश्रा, उप महाप्रबंधक (खनन) ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (प्रशि.व सुरक्षा) ने किया।

कस्तुरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं को प्रदान कि गई मानव अधिकार एवं विधिक कि जानकारी

कोण्डागांव। विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गायत्री साय के नेतृत्व में प्रतिधाकर अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट एवं अधिकार मित्र के द्वारा कस्तूरबा आवासीय विद्यालय कोण्डागांव में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके मूलभूत अधिकारों, मानवाधिकारों, बाल अधिकारों तथा दैनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्रदान करना था।शिविर में छात्राओं को मानव अधिकार, बालिका सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार, साइबर काइम से बचाव, पॉक्सो एक्ट तथा महिला सुरक्षा कानूनों के बारे में सरल और रोचक तरीकों से जानकारी दी गई । साथ ही शिविर के दौरान छात्राओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या शोषण की स्थिति में किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कि जा सकती है । साथ ही आत्मरक्षा एवं आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उपयोगी सुझाव भी दिए गये। इस कार्यक्रम में छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। अंत में अधीक्षिका ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं को सुरक्षित सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

प्रधान अध्यापक ने अपने जन्मदिन पर स्कूली बच्चों के संग काटा केक और कराया न्योता भोज

कोण्डागांव। जिला कोंडागांव अंतर्गत विकास खंड माकड़ी के संकुल केंद्र बिंजोली,शासकीय उच्च प्राथमिक शाला डोंगरीगुड़ा में प्रधान अध्यापक भोलानाथ सूर्यवंशी ने अपने जन्म दिवस को यादगार पल मनाते हुए बच्चों के संग केक काटकर जन्म दिवस मनाया।इस अवसर पर बच्चों को खीर-पूड़ी,फल और पौष्टिक आहार के साथ ही मिष्ठान वितरित किया गया।शानदार पकवान पाकर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आई और उनका दिन यादगार बन गया।न्योता भोज में उपस्थित होकर विकासखंड माकड़ी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुखराम देवांगन ने संबोधित करते हुए कहा कि न्योता भोज छत्तीसगढ़ में लागू शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी योजना है,जो भारतीय परंपरा पर आधारित है।जहां लोग विभिन्न त्यौहार,वर्षगांठ,जन्म दिवस,विवाह,राष्ट्रीय पर्व या विशेष अवसरों पर सामूहिक भोज कराते हैं।इस

योजना में समुदाय,संगठन और व्यक्ति स्कूलों में बच्चों के लिए अतिरिक्त भोजन की व्यवस्था करते हैं,जिससे बच्चों में कुपोषण की समस्या दूर करना,बच्चों का आत्मविश्वास और स्कूल आने का उत्साह बढ़ाना शामिल है।उन्होंने प्रधान अध्यापक भोलानाथ सूर्यवंशी को उनके जन्म दिवस की बधाई देते हुए न्योता भोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक ताहिर अहमद खान,बीआरपी भेदराम मानकर,सरपंच चंदूलाल बघेल, उपसरपंच सुखराम मंडावी, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष चैतू राम पोयाम,रंजीत बघेल,नीलांबर बघेल,मंगडू राम बघेल,संकुल प्राचार्य नरेंद्र कुमार राठौर,संकुल समन्वय विशंभर बघेल,वर्मा सर,सोम सर,मरकाम सर,प्रधान अध्यापक सुदामा नाग,नारद साहू,जहेन्द्र कोलेन्द्र,शिक्षक रविंद्र करचाम,कौशिक सर,मांझी सर,तिर्की सर एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा कार्यालय के द्वारा पटेल पारा स्कूल में किया गया जागरूकता कार्यक्रम

किरंदुल। विधिक सेवा प्राधिकरण जिला दंतेवाड़ा के निर्देशानुसार शासकीय उच्च प्राथमिक शाला पटेल पारा किरंदुल में विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। साथ ही विद्यालयीन छात्र छात्रों को इस दिन महत्व समझाया गया पीएलव्ही रीता चौहान ने बताया यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हर इंसान को समान अधिकार,सम्मान और आज़ादी मिलनी चाहिए। मानवाधिकार क्या होते हैं? मानवाधिकार वे अधिकार हैं जो जन्म से हर व्यक्ति को मिलते हैं, जैसे जीने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, अपनी बात कहने का अधिकार। ये अधिकार किसी भी व्यक्ति से छीने नहीं जा सकते। ये भी जानकारी दिया गया।

मानवाधिकार सबके लिए यही है दुनिया की असली जीत: समानता का सूरज लाएँ, मानवाधिकार सबको दिलाएं, गुड टच बेड टच की जानकारी प्रदान किया गया। पी एल व्ही बचेली थाना से रीता चौहान, भाँसी थाना से सुभम यादव, किरंदुल थाना से नंदकिशोर और किरंदुल स्कूल से दुर्गावती नाहक शिक्षक एल बी और छात्र छात्राएं मौजूद रहें।

लिंग आधारित हिंसा समाप्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कांकेर। महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) एवं 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजनांतर्गत लिंग आधारित हिंसा समाप्ति पर 16 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत चारामा परियोजना के महिला कलस्टर संगठन ग्राम हल्बा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लिंग आधारित हिंसा कारण एवं दुष्प्रभाव तथा इसे समाप्त करने में हमारी भूमिका बारे में जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध विशेष अधिकारों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत शपथ भी दिलाई गई एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला हेल्पलाइन 181, सखी वन स्टॉप सेन्टर, सखी निवास, शक्ति सदन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, घरेलू हिंसा, सी बॉक्स पोर्टल, पोक्सो एक्ट, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल विवाह एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। जागरूकता रैली के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा लागाते हुए प्रचार-प्रसार किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य तेजेश्वरी सिन्हा, महंत टांडिया, महिला सशक्तिरण केन्द्र (हब) से जिला मिशन समन्वयक, जेण्डर विशेषज्ञ, वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ, चाइल्ड लाइन समन्वयक, चैतन्य संस्था से जेण्डर समन्वयक, पुलिस चौकी थाना प्रभारी व टीम हल्बा एवं बिहान समूह की महिलाएं उपस्थित थीं।

ग्राम पंचायत चारगांव में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर 12 को

कांकेर। जिले के आम नागरिकों की आवश्यकताओं, शिकायतों एवं समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 12 दिसम्बर शुक्रवार को कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चारगांव में जनसमस्या निवारण शिविर शिविर लगाई जाएगी, जिसमें ग्राम पंचायत चारगांव, छोटेबोदेली, पोरोण्डी, सिकसोड़, सुलंगी, तुरसानी और बदरंगी इत्यादि ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शामिल होंगे। ि

शविर में शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया जाएगा, साथ ही योजनाओं का लाभ उठाने में कोई कठिनाई आ रही हो तो उसका समाधान भी शिविर में किया जाएगा। कलेक्टर ने जनसमस्या निवारण शिविर में सभी जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय एवं क्लस्टर स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

सीएम विष्णुदेव साय ने जयस्तंभ चौक में किया शहीद वीर नारायण सिंह के त्याग और संघर्ष का स्मरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और जननायक अमर शहीद वीर नारायण सिंह की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित जयस्तंभ चौक पहुँचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह का जीवन त्याग, साहस और न्याय की अनुपम मिसाल है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया, वह छत्तीसगढ़ की गौरवमयी विरासत का स्वर्णिम अध्याय है। मातृभूमि की रक्षा और समाज के वंचित वर्गों के प्रति उनकी निष्ठा हमारे लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सोनाखान के ज़मींदार

परिवार में जन्म लेने के बाद भी शहीद वीर नारायण सिंह का हृदय सदैव आदिवासियों, किसानों और गरीब परिवारों के दुःख-संघर्ष से जुड़ा रहा। वर्ष 1856 के विकट अकाल में जब आमजन भूख से व्याकुल थे, तब उन्होंने मानवता को सर्वोपरि मानते हुए अनाज गोदाम का अनाज ज़रूरतमंदों में बाँटकर करुणा, त्याग और साहस का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। यह कदम केवल विद्रोह नहीं था, बल्कि सामाजिक अन्याय, शोषण और असमानताओं के विरुद्ध एक ऐतिहासिक उद्घोष था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह छत्तीसगढ़ की अस्मिता, स्वाभिमान और जनप्रतिरोध की जीवंत प्रेरणा हैं। गरीबों, किसानों और वंचितों के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका जीवन-संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव न्याय, मानवता और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद वीर नारायण सिंह के आदर्शों और उनके सपनों के अनुरूप छत्तीसगढ़ के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है। इस अवसर पर आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक पुरन्दर मिश्रा, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीएम विष्णु देव साय को गुरु घासीदास जयंती महोत्सव का मिला निमंत्रण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सतनाम कल्याण समिति, बंधवा के प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री साय को गुरु घासीदास बाबा की 269वीं जयंती के अवसर पर मुंगेली जिले के लालपुर धाम में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय विशाल मेला–18, 19 एवं 20 दिसंबर–में सम्मिलित होने का निमंत्रण प्रदान किया। मुख्यमंत्री साय ने समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु घासीदास बाबा का जीवन-दर्शन, सत्य, अहिंसा, समानता और सदभाव के मूल्य हमें सामाजिक समरसता और मानवकल्याण की दिशा में निरंतर प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि लालपुर धाम का यह मेला छत्तीसगढ़ की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, जहां हर वर्ष भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर गुरु बाबा के उपदेशों को आत्मसात करते हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एरमसाही खरीदी केंद्र में गड़बड़ी, प्राधिकृत अधिकारी हटाए गए

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर खरीदी केंद्रों की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। गड़बड़ी रोकने कई स्तर की टीम लगी हुई है। आकस्मिक निरीक्षण में आज मस्तुरी ब्लॉक के एरमसाही खरीदी केंद्र में व्यापक गड़बड़ी पकड़ी गई। कलेक्टर के निर्देश पर जिला स्तरीय अधिकारी आज दौरे पर निकले थे। डिप्टी कमिश्नर सहकारिता श्री सी.एस. जायसवाल, खाद्य नियंत्रक श्री अमृत कुजुर, सहकारिता विस्तार अधिकारी मस्तूरी श्री गोधुली वर्मा ने एरमसाही सहित कई केंद्रों का अचानक दौरा किया। निरीक्षण में उपार्जन केन्द्र एरमसाही के कम्प्यूटर आपरेटर काशीराम खुटे द्वारा धान की बोगस एन्ट्री फर्जी रूप से धान के केन्द्र में लाए बगैर धान आवक की एन्ट्री किया गया तथा भौतिक सत्यापन में 920 क्विंटल धान की कमी पाया गया तथा नया बारदाना 663 नग अधिक वापुरान बारदाना 5414 नग अधिक पाया गया है। नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी एवं समिति आपरेटर द्वारा धान खरीदी में अनियमितता किया जाना पाया गया। कम्प्यूटर आपरेटर काशी राम खुटे के खिलाफ थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने एवं अशासकीय प्राधिकृत अधिकारी दुर्गा प्रसाद पटेल को पद से पृथक करने के आदेश कलेक्टर जिला बिलासपुर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर डिप्टी कमिश्नर सहकारिता द्वारा दिये गये हैं। जिला सहकारी बैंक के शाखा मस्तूरी के शाखा प्रबंधक श्री सुशील पनौरे व पर्यवेक्षक श्री वजूर सिंह राज को धान खरीदी के पर्यवेक्षण में लापरवाही हेतु कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। धान खरीदी कार्य के सुचारू संचालन, क्रय किये गये धान के सुरक्षित रख रखाव तथा संपूर्ण धान खरीदी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शिक्षा विभाग में चल रहा बेखौफघोटालों का सिंडिकेट

बिलासपुर। जिला शिक्षा विभाग में करोड़ों की छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया पर बेहद गंभीर और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। संवेदनशील ऑनलाइन छात्रवृत्ति सिस्टम, जिसे विभागीय नियंत्रण में होना चाहिए, वास्तव में एक निजी व्यक्ति के हाथों संचालित हो रहा है। देवरीखुर्द के लोक सेवा केंद्र संचालक को विभाग के कमरा नंबर 16 में बैठाकर उसी से पूरा ऑनलाइन संचालन कराया जाता है। यह स्थिति न सिर्फविभागीय नियमों के खिलाफहै बल्कि करोड़ों रुपये के वित्तीय प्रवाह को जोखिम में डालती है। छात्रवृत्ति प्रभारी कंप्यूटर संचालन में दक्ष नहीं हैं। इसी वजह से विभाग ने लोक सेवा केंद्र संचालक को अपने कमरे में बैठाकर ऑनलाइन छात्रवृत्ति भुगतान, सत्यापन और संकलन जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्य उस पर छोड़ दिए हैं। पूरे जिले की छात्रवृत्ति उसी के हाथों से निकलती है। यह स्थिति विभाग के भीतर एक तरह के अनौपचारिक 'सिस्टम कब्जे' की तस्वीर पेश करती है। शासन द्वारा प्रतिवर्ष बिलासपुर जिले के लिए करोड़ों की छात्रवृत्ति राशि जिला शिक्षा विभाग के खाते में भेजी जाती है। यह राशि उचित प्रक्रिया से बच्चों तक पहुंचनी चाहिए, परंतु विभाग के भीतर इसकी ऑनलाइन प्रक्रिया एक निजी ऑपरेटर के हाथ होकर जाती है। सूत्रों के अनुसार, उक्त संचालक पर विभागीय अधिकारियों का इतना भरोसा बन गया है। यह भरोसा एक दिन सूरजपुर की ही तरह टूटेगा। क्योंकि बाहरी लोग तो उसे शिक्षा विभाग का कर्मचारी समझते हैं । लेकिन ताज्जुब की बात तो यह है कि कार्यालय के लोग भी उसे सरकारी कर्मचारी मान बैठे हैं । वह कार्यालय में एक नियमित कर्मचारी की तरह अधिकारपूर्वक बैठता है।जिले के लगभग 70 प्रतिशत स्कूल इंटरनेट और कंप्यूटर संचालन में सक्षम नहीं हैं। शिक्षक और प्राचार्य तकनीकी रूप से दक्ष न होने के कारण अपने-अपने लॉगिन और पासवर्ड भी इसी लोकसेवा केंद्र संचालक को सौंप देते हैं। इसका अर्थ यह है कि छात्रों का पूरा डेटा, लॉगिनऔर पासवर्ड भी उसी को सौंप देते हैं। इसका अर्थ यह है कि छात्रों का पूरा डेटा, लॉगिन, पासवर्ड और बैंक लिंकिंग-एक निजी व्यक्ति के नियंत्रण में है। यह व्यवस्था किसी भी समय बड़े वित्तीय दुरुपयोग की शक्ल ले सकती है।

सीपत में कुत्तों ने चीतल का किया शिकार

बिलासपुर। वन मंडल बिलासपुर के सीपत क्षेत्र में कुत्तों के शिकार से एक मादा चीतल की मौत हो गई। मंगलवार की शाम सीपत वन परिक्षेत्र के भरवाडीह गांव के पास जंगल से एक मादा चीतल भटकते हुए सड़क की ओर पहुंच गई थी। सड़क पर आने के बाद चार से पांच कुत्तों ने मिलकर चीतल का शिकार किया, जिसके कारण मादा चीतल गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर तत्काल ग्रामीणों ने पहुंचकर कुत्तों को भगाने के बाद सूचना वन विभाग की टीम को दी। सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

स्कूलों के सतत् निरीक्षण पर स्कूल शिक्षा मंत्री ने दिया जोर

संसाधनों की कोई कमी नहीं,स्कूलों के प्रति प्रेम करने वाले समर्पित शिक्षकों की जरूरत-मंत्री गजेंद्र यादव...

बिलासपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा है कि राज्य में शिक्षक एवं शैक्षणिक संसाधनों की कोई कमी नहीं है। जरूरत अपने स्कूल के प्रति प्रेम करने वाले और पढ़ाई में रूचि दिखाने वाले समर्पित शिक्षकों की है। राज्य सरकार अच्छे शिक्षकों को जहां पुरस्कृत करेगी वहीं लापरवाह किस्म के शिक्षकों को सजा देने में भी कोई कोताही नहीं बरतेगी। श्री यादव आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की संभाग स्तरीय बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। श्री यादव ने इस अवसर पर स्कूलों के निरीक्षण हेतु जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के उपयोग के लिए तैयार ऐप को भी लांच किया। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्कूलों के निरंतर निरीक्षण पर जोर दिया। श्री यादव ने जिला शिक्षा अधिकारी से लेकर संकुल समन्वयक तक निरंतर स्कूलों का दौरा करने के निर्देश दिए। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परेदशी, समग्र शिक्षा की एमडी डॉ. प्रियंका शुक्ला, डीपीआई ऋतुराज रघुवंशी सहित संभाग के सभी आठों जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी, डीएमसी, बीईओ, बीआरसी शामिल थे। मंत्री श्री यादव ने सभी जिलों को अगले तीन वर्षों के लिए एक समग्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय अधोसंरचना के मजबूत विकास, शैक्षणिक माहौल के संवर्धन और शिक्षण गुणवत्ता में ठोस सुधार को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बच्चों की बेहतर शिक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही

स्वीकार्य नहीं होगी और दीर्घकालिक योजनाएँ ही स्थायी सुधार की नींव बनेंगी। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की जाए। उन्होंने बताया कि समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए विभाग द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। साथ ही डीईओ, बीईओ और बीआरसी अधिकारियों को विद्यालयों के नियमित निरीक्षण, दौरा चार्ट तैयार करने और उसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार हो सके। वार्षिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री यादव ने कक्षा 10 वीं का परिणाम 85 प्रतिशत तथा 12 वीं का परिणाम 90 प्रतिशत लाने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल उत्तीर्ण तक सीमित नहीं रहे बल्कि विद्यार्थियों को उच्च श्रेणी में उत्तीर्ण कराना है। उन्होंने सभी जिलों को मासिक परीक्षा की सतत निगरानी, ब्लूप्रिंट आधारित अध्ययन, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और कुशल शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण अध्यापन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कमजोर बच्चों को चिन्हित कर उनके लिए अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करने को कहा है।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन....

- आज मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल की अध्यक्षता में ऊर्जा संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन

बिलासपुर। बेहतर और सुरक्षित भविष्य के संकल्प के साथ सम्पूर्ण देश में प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में भी 08 से 14 दिसम्बर 2025 तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विविध जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसी संदर्भ में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2025 के अवसर पर आज मंडल सभागार में विद्युत (सामान्य) विभाग द्वारा ऊर्जा संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल ने की। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे एस मीना, श्री के श्रीनिवास, वरि.मंड़ल विद्युत अभियंता(आरएस × जी) श्री के के भारद्वाज, सभी शाखाधिकारी तथा विद्युत विभाग के पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी-गण शामिल हुए । सेमीनार में वरि.मंड़ल विद्युत अभियंता (आर एस × जी) द्वारा पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण की दिशा में मंडल द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल ने कहा कि हम दैनिक जीवन में नियोजित तरीके से छोटे-छोटे माध्यमों से विद्युत ऊर्जा बचा सकते हैं। कार्यालयों तथा घरों में आवश्यकतानुसार लाइट व पंखों का प्रयोग, कार्यालय छोडने के आधे घंटे पहले एसी बंद करने जैसे छोटे-छोटे उपायों से भी हम अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा बचा सकते हैं।

झारखंड में बंधक बनाए गए श्रमिक सकुशल बिलासपुर लौटे

- जनदर्शन में शिकायत के बाद कलेक्टर की त्वरित कार्रवाई
- श्रम विभाग ने समन्वय कर सभी श्रमिकों को सुरक्षित पहुँचाया घर

बिलासपुर। साप्ताहिक जनदर्शन में 09 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत शिकायत में ग्राम सरगवाँ, मस्तूरी निवासी श्री अमित कुमार मधुकर ने कलेक्टर संजय अग्रवाल को अवगत कराया कि उनके गांव के 16 श्रमिक (महिला और पुरुष) और दो बच्चे शामिल हैं। झारखंड के सेमडेगा जिले में एक ईंट भट्ठे पर बंधक बनाकर काम कराने की अमानवीय परिस्थिति में फँसे हुए हैं। श्रमिकों के साथ मारपीट, छेड़छाड़ और जबरन श्रम की जानकारी मिलने पर कलेक्टर ने मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल श्रम विभाग को त्वरित कार्रवाई के निर्देश प्रदान किए। श्रम विभाग ने शिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए संबंधित लेबर ठेकेदार नीलकंठ अंबेडकर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया। विभाग द्वारा आगामी दिनों में माननीय श्रम न्यायालय में अभियोजन की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। इसके साथ ही बिलासपुर जिला प्रशासन ने सेमडेगा (झारखंड) जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों को मुक्त कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए। प्रशासनिक कार्रवाई के परिणामस्वरूप 10 दिसंबर की सुबह, बंधक बनाए गए सभी श्रमिक—महिला, पुरुष एवं बच्चे—सकुशल अपने गृह ग्राम सरगवाँ, तहसील मस्तूरी वापस लाए गए। श्रमिकों ने सुरक्षित घर वापसी के लिए कलेक्टर, श्रम विभाग एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के टिकट चेकिंग स्टाफके लिए ग्राहक सेवा एवं सॉफ्ट स्किल्स पर प्रशिक्षण भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर में आयोजित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों से सीधे संपर्क में रहने वाले फ्रंटलाइन स्टाफके लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर, जो देश के अग्रणी प्रबंधन संस्थानों में से एक है, में आयोजित किया जा रहा है। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मार्गदर्शन में टिकट चेकिंग कैडर के लिए ग्राहक सेवा एवं सॉफ्ट स्किल्स पर पाँच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 20 दिसंबर 2025 से 24 दिसंबर 2025 तक आईआईएम, रायपुर में किया गया है। इस प्रशिक्षण में बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडलों के कुल 45 टिकट चेकिंग कर्मचारियों का एक बैच सहभागिता करेगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और आईआईएम, रायपुर के बीच यह सहयोग न केवल दोनों संस्थानों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे यात्रियों के साथ व्यवहार और सेवा प्रदायगी की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है। टिकट चेकिंग स्टाफने इस अवसर को लेकर विशेष उत्साह व्यक्त किया है। उनके लिए यह प्रतिष्ठित संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने का पहला अवसर है, जो उनकी ग्राहक संतुष्टि क्षमता को सुदृढ़ करेगा तथा फ्रंटलाइन रेलवे कर्मचारियों के लिए आवश्यक सॉफ्ट स्किल्स में और सुधार लाएगा। श्री प्रवीण पाण्डेय, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, ने आशा व्यक्त की है कि जनता से नियमित रूप से संवाद करने वाले अधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने से भारतीय रेल की छवि एवं सेवा मानकों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

दपूमरे,नागपुर मंडल में रेलवे प्रशासन एवं दपूमरे आलइंडिया अनुसूचित जाति/ जनजाति रेलकर्मी संगठन के साथ द्वितीय अनौपचारिक बैठक...

बिलासपुर। रेलवे कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान और बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से नागपुर मंडल में प्रतिवर्ष रेलवे प्रशासन एवं कर्मचारी संगठनों के मध्य दो अनौपचारिक बैठकों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में वर्ष 2025 की द्वितीय अनौपचारिक बैठक का आयोजन आज मंडल रेल प्रबंधक नागपुर मंडल के सभागृह में किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता ने की। इस बैठक में द.पू.म.रे. आल इंडिया अनुसूचित जाति/जनजाति रेलकर्मी संगठन, नागपुर की ओर से श्री एम.एस. खोब्रागड़े, जोनल अध्यक्ष एवं श्री प्रतीम पखिड्डे, मंडल सचिव उपस्थित रहे। रेलवे प्रशासन की ओर से श्री राजेश चिखले, अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री उदय कुमार भारती, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक के दौरान कर्मचारियों से संबंधित कुल 12 महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत, रचनात्मक एवं सकारात्मक चर्चा की गई। इनमें सेवा-संबंधी समस्याएं, कल्याणकारी सुविधाएं, पदोन्नति, कार्यस्थल की

आवश्यकताएं एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विषय शामिल थे। संबंधित शाखाओं के अधिकारियों ने कई मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए समाधान प्रदान किया, जिससे कर्मचारियों को सीधा लाभ मिला। शेष मुद्दों पर रेलवे प्रशासन द्वारा निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया। प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के हितों, कल्याण एवं कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए विभाग निरंतर प्रतिबद्ध है और इसी भावना के साथ संवाद व सहभागिता की यह प्रक्रिया भविष्य में भी जारी रहेगी। इस बैठक ने कर्मचारी संगठनों और प्रशासन के बीच सकारात्मक संवाद, पारदर्शिता और सहयोग को और मजबूत किया है, जो कि बेहतर कार्य संस्कृति एवं कर्मचारी संतुष्टि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारतीय रेलवे की बिलासपुर-नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेसः सफलता के तीन गौरवपूर्ण वर्ष.......

बिलासपुर। भारतीय रेलवे की आधुनिकतम और श्रेष्ठतम वंदे भारत एक्सप्रेस, जो बिलासपुर और नागपुर के मध्य संचालित होती है, ने अपने तीन वर्ष सफ्लतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस प्रतिष्ठित ट्रेन को तीन वर्ष पूर्व आज ही के दिन हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया था। यह गाड़ी अपनी उच्च गति, आधुनिक सुविधाओं और समयबद्ध संचालन के लिए प्रसिद्ध है। 3 वर्षों के इस गौरवशाली अवसर पर कोचिंग डिपो बिलासपुर ने पूरे उत्साह के सभी कोचों को तिरंगे गुब्बारों से सुंदर रूप से सजाया गया, जिससे सम्पूर्ण परिसर में राष्ट्रीय गौरव और उल्लास का वातावरण निर्मित हुआ। यह सजावट यात्रियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी और इस उपलब्धि का प्रतीकात्मक सम्मान भी। बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत ने इस साल मार्च में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन की पहली द्वुस्ह्व 9001:2015 सर्टिफाइड ट्रेन बनने का खिताब भी अपने नाम करवाया है । जो उच्चतम गुणवत्ता मानकों, उत्कृष्ट प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षा, स्वच्छता और यात्री संतुष्टि का प्रमाण है । यह उपलब्धि न केवल इस ट्रेन की विश्वसनीयता को बढ़ाती है, बल्कि भारतीय रेलवे की नवाचार और सेवा सुधार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। इस वंदे भारत रेक का रखरखाव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोचिंग डिपो, बिलासपुर में किया जा रहा है । कोचिंग डिपो बिलासपुर के अधिकारियों , सुपरवाइजर और कर्मचारियों ने नई तकनीक से युक्त इस वंदे भारत रेक के संचालन में अपने कौशल, ज्ञान और अनुभव का प्रदर्शन करते हुए इसे पूरी दक्षता के साथ संचालित किया है । पिछले तीन वर्षों में इस ट्रेन ने बिना किसी तकनीकी समस्या के सुचारु और निर्बाध

रूप से अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं । पिछले वर्ष इस वंदे भारत रेक का प्रथम शॉप शेड्यूल-1 कोचिंग डिपो बिलासपुर में सफ्लतापूर्वक पूरा किया गया । इस उपलब्धि के साथ कोचिंग डिपो बिलासपुर भारतीय रेल का पहला कोचिंग डिपो बन गया, जिसने यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया । बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ने यात्रियों के सफर को न केवल आरामदायक और सुरक्षित बनाया है, बल्कि यात्रा समय को भी उल्लेखनीय रूप से कम किया है । यह गाड़ी लगभग 412 किलोमीटर की दूरी को केवल 5.5 घंटे में तय करती है । इसमें उत्कृष्ट बैठक व्यवस्था, वाई-फाई, इन्फोटेनमेंट प्रणाली और ऑटोमैटिक दरवाजों जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह ट्रेन न केवल व्यापारिक और पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि क्षेत्रीय समृद्धि में भी योगदान दे रही है । वंदे भारत एक्सप्रेस ने अपने यात्रियों के हृदय में विशिष्ट स्थान बनाया है । समयबद्ध संचालन और उत्कृष्ट सेवा यात्रियों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं । बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ने अपने तीन वर्षों के गौरवशाली सफर में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं । यह ट्रेन भारतीय रेलवे के सुनहरे भविष्य की प्रतीक बनी रहेगी।

छत्तीसगढ़ में नई गाइडलाइन दरें लागू : संपत्तियों के वास्तविक मूल्यांकन के लिए सरल, पारदर्शी और जनहितैषी सुधार

बिलासपुर। राज्य सरकार ने अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण को अधिक वैज्ञानिक और स्पष्ट बनाने के लिए छत्तीसगढ़ गाइडलाइन दरों का निर्धारण नियम, 2000 के तहत वर्ष 2025-26 की नई गाइडलाइन दरें 20 नवंबर 2025 से पूरे प्रदेश में लागू कर दी हैं। कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह संशोधन पिछले 7-8 वर्षों से लंबित था, जिसके कारण वास्तविक बाजार मूल्य और गाइडलाइन मूल्य के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा था। इन विसंगतियों को दूर करने और किसानों तथा आम जनता को उनकी संपत्ति का वास्तविक मूल्य सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से व्यापक सुधार किए गए हैं। नई गाइडलाइन दरें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एकसमान, सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित हैं। शहरी क्षेत्रों में लंबे समय से एक ही मार्ग पर स्थित भूखंडों के लिए अलग-अलग दरें निर्धारित थीं, जिससे नागरिकों में असंतोष और पंजीयन प्रक्रिया में भ्रम उत्पन्न होता था। नई गाइडलाइन में मुख्य मार्ग और अन्य मार्ग के आमने-सामने स्थित क्षेत्रों की दरों को एक समान कर दिया गया है। नगरीय निकाय क्षेत्रों में अनावश्यक कंडिकाओं को समाप्त करते हुए वार्डवार संरचना को सरल बनाया गया है, जिससे आमजन अब आसानी से अपनी संपत्ति का वास्तविक बाजार मूल्य समझ सकेंगे। जांजगीर-नैला में मुख्य मार्ग चांपा रोड पर वार्ड 8 में दर 26,000 रुपये प्रति वर्गमीटर और इसी मार्ग पर वार्ड 17 में 22,800 रुपये प्रति वर्गमीटर दर निर्धारित थी, जबकि दोनों स्थान भौगोलिक और व्यावसायिक दृष्टि से समान थे।

आमतौर पर, लोग अपने फेस का तो पूरी तरह से ख्याल रखते हैं। ज्यादा से ज्यादा वह अपने हाथों व पैरों को भी पैम्पर करते हैं, लेकिन पीठ की तरफ उनका ध्यान कम ही जाता है। दरअसल पीठ तक उनका हाथ आसानी से नहीं जाता और इसलिए वह उसे अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में पीठ पर डेड स्किन सेल्स जमा हो जाते हैं। अगर आप अपनी स्किन के अन्य पाट्र्स की तरह अपनी पीठ का भी पर्याप्त ख्याल रखना चाहते हैं, तो ऐसे में घर पर ही बैक स्क्रब बनाया जा सकता है। तो चलिए आज हम आपको कुछ सामग्री की मदद से बैक स्क्रब बनाने के तरीके के बारे में बता रहे हैं...

पीठ का रखना है ख्याल तो घर पर ही बनाएं बैक स्क्रब

ओटमील से बनाएं बैक स्क्रब

ओटमील और कॉफी की मदद से भी एक बैक स्क्रब तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप पहले ओटमील को दरदरा पीस लें। अब आप दो कप ओटमील, कॉफी ग्राइंडस और ब्राउन शुगर लेकर मिक्स कर लें। अब, इसमें कुछ चम्मच शहद और जैतून का तेल मिलाएं। अब आप पीठ पर मौजूद डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए इस स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बनाएं पपीता बैक स्क्रब

पपीते की मदद से भी एक बेहतरीन बैक स्क्रब बनाया जा सकता है। इसके लिए आपको 1/2 कप समुद्री नमक, 1/2 कप चीनी, 1/4 कप सूरजमुखी तेल, नींबू का रस, 2 बड़े चम्मच शुद्ध पपीता और कुछ बूंदे एसेंशियल ऑयल की जरूरत होगी। आप एक बाउल में इन सभी सामग्री को मिक्स करें। इसके बाद आप नहाते समय इस होममेड स्क्रब की मदद से अपनी बैक को एक्सफोलिएट कर सकते हैं।

बनाएं लेमन बैक स्क्रब

इस बैक स्क्रब को तैयार करने के लिए एप्सम सॉल्ट में थोड़ा नींबू का रस और जैतून के तेल की कुछ बूंदों को मिलाएं। बैक स्क्रब बनकर तैयार है। इसे अपनी पीठ पर लगाएं और बेहद हल्के हाथ से रगड़ें। यह डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने के साथ-साथ आपकी बैक की रंगत को निखारने में मदद करेगा। आप चाहें, तो इस बैक स्क्रब में कुछ हर्ब्स जैसे लैवेंडर, थाइम या रोज़मेरी भी मिला सकते हैं।

सी-सॉल्ट से बनाएं बैक स्क्रब

सी-सॉल्ट और जैतून के तेल की मदद से एक बैक स्क्रब बनाया जा सकता है। इसके लिए आप 1 कप सी सॉल्ट लें और उसमें आधा कप जैतून का तेल डालकर मिक्स करें। अंत में आप इसमें एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदे मिक्स करें। अब आप अपनी बैक को स्क्रब करने के लिए इस पेस्ट का इस्तेमाल करें। आप हल्के हाथों से बैक की मसाज करते हुए स्क्रब करें।

विंटर फैशन ट्रेंड : आपके लुक में लगाएंगे चार चांद

सर्दियों के महीनों में ठंड शुरू होते ही कुछ लोग ट्रेंड और फैशन को पूरी तरह भूल जाते हैं। ये बात कुछ हद तक सच भी है, कि सर्दियों के मौसम में स्टाइलिश और फैशनेबल दिखना बहुत आसान नहीं होता है, क्योंकि सर्दियों में सबसे पहले ठंड से बचने का जुगाड़ ढूंढना पड़ता है, लेकिन आपको बता दें कि विंटर सीजन में भी आजकल कई फैशनेबल चीजें खूब ट्रेंड कर रही हैं। इस विंटर सीजन अट्रैक्टिव और फैशनेबल दिखने के लिए आप गर्म कपड़ों के साथ कुछ सुपर ट्रेंडी चीजों को स्टाइल कर सकते हैं। हम आपके लिए 3 बेहद स्टाइलिश और अट्रैक्टिव विंटर ट्रेंड लेकर आए हैं, जिन्हें फॉलो करके आप अपने ओवरऑल लुक में चार चांद लगा सकते हैं। आइए जानते हैं...

लॉन्ग बूट्स

आपने विंटर्स में कई सिलेब्रिटीज को लॉन्ग बूट्स कैरी करते हुए देखा होगा। आजकल लॉन्ग बूट्स का फैशन काफी ट्रेंड में है, सर्दियों के मौसम में स्किनी जींस और शॉर्ट ड्रेस के साथ लॉन्ग बूट्स आपको कैजुअल और अट्रैक्टिव लुक देते हैं। लॉन्ग बूट्स की बड़ी वैरायटी आजकल मार्केट में उपलब्ध है, अगर आपकी हाइट छोटी है या आप हील्स पहनना पसंद करती हैं तो आप हील्स बूट्स भी कैरी कर सकती हैं। सर्दियों के मौसम में लॉन्ग बूट्स फैशनेबल लगने के साथ-साथ ठंड के लिए भी अच्छे हैं।

स्टाइलिश बेल्ट

आजकल विंटर स्वेटर और कोट के साथ स्टाइलिश बेल्ट काफी ट्रेंड कर रही है। कैजुअल और सिंपल कपड़ों को अट्रैक्टिव और फैशनेबल लुक देने के लिए आप फैशनेबल बेल्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। टर्टल नेक स्वेटर्स और विंटर वूलन ड्रेसेस के साथ बेल्ट ट्रेंडी लगती हैं, जो ऑनलाइन स्टोर्स और लोकल मार्केट में आसानी से उपलब्ध हैं।

वूलन स्कार्फ

विंटर सीजन ट्रेंड और फैशन की बात करें, तो वूलन स्कार्फ को कैसे भूल सकते हैं, आजकल लड़के और लड़कियां सभी टर्टल नेक स्वेटर, हाईनेक टॉप्स और विंटर कोट के साथ वूलन स्कार्फ कैरी कर रहे हैं। वूलन स्कार्फ देखने में अट्रैक्टिव और फैशनेबल लगने के साथ-साथ ठंड को रोकने का काम भी बखूबी करते हैं। विंटर्स में स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखने के लिए वूलन स्कार्फ को जरूर कैरी करें।

फलों के सेवन से कंट्रोल होगा हाई कोलेस्ट्रॉल

संतरा- अब तक आपने सुना होगा कि विटामिन C से भरपूर संतरा इम्यूनिटी बूस्ट करता है, लेकिन यह हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए भी वरदान साबित हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक कई स्टडीज में यह बात सामने आई है कि संतरे का जूस पीने से बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) और टोटल कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है। ऑरेंज जूस से पुरुषों में लो HDL कंसंट्रेशन का खतरा 23 प्रतिशत तक कम हो जाता है। इससे हार्ट हेल्थ भी इंप्रूव होती है।

सेब- आपने यह कहावत तो सुनी होगी कि अगर रोज एक सेब खाया जाए, तो आपको डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीजों को भी यह नियम जरूर अपनाना चाहिए। सेब में सॉल्यूबल फाइबर पेक्टिन की भरपूर मात्रा होती है, जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व आपकी हेल्थ को कई फायदे देते हैं और डाइजेस्टिव सिस्टम को बेहतर बनाने में सहायता करते हैं।

तरबूज- गर्मियों का फल तरबूज भी लोगों को कई बीमारियों से राहत दिलाता है। यह कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए बेहतरीन फल है। तरबूज में लाइकोपीन पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ने से रोकता है। तरबूज का जूस भी आपके लिए बेहद फायदेमंद होता है। आप तरबूज को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। अगर सर्दियों में संभव हो तो इसका सेवन सही मात्रा में करना चाहिए।

सूखा आलूबुखारा- आलूबुखारा खाने में बेहद टेस्टी होता है और इसमें पोषक तत्वों का खजाना होता है। सूखा आलूबुखारा खाने से कोलेस्ट्रॉल की समस्या से राहत मिल सकती है। एक स्टडी के अनुसार हर दिन करीब 50 ग्राम सूखे आलूबुखारा खाने से पोस्ट मेनोपॉजल महिलाओं में गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है। इससे शरीर की इंफ्लेमेशन कम होती है और एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटी बढ़ जाती हैं।

स्ट्रॉबेरी- बेरीज का सेवन करने से हाई कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है। स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, ब्लूबेरी समेत तमाम बेरीज में अधिक मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाएं जाते हैं, जिनसे बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद मिलती है।

आपकी हेल्थ का दुश्मन नहीं है Saturated Fat!

फायदे जानकर रह जाएंगे हैरान

सैचुरेटेड फैट एक प्रकार का आहार फैट ही है। हम जिस तरह के फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, उनमें ये फैट स्वाभाविक तौर पर पाया जाता है। सैचुरेटेड फैट को लेकर ये आम धारणा है कि ये हमारी हेल्थ के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है। लेकिन आपको शायद ये बात जानकर हैरानी होगी कि सैचुरेटेड फैट के सिर्फ नुक्सान ही नहीं बल्कि कई सारे फायदे भी हैं। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सैचुरेटेड फैट के फायदों के बारे में ही बताने वाले हैं।

सैचुरेटेड फैट कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ाते

स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट विपुल सनाढ्य बताते हैं कि हमारे शरीर में आमतौर पर 75 फीसदी कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। सैचुरेटेड फैट के कारण सीरम या रक्त कोलेस्ट्रॉल में कोई वृद्धि नहीं होती है। बता दें कि सैचुरेटेड फैट मक्खन, क्रीम, दूध और घी में भी पाया जाता है। आपको ये बात जानकर हैरानी होगी कि शरीर का मुख्य नियंत्रण केंद्र यानी दिमाग का 60 फीसदी हिस्सा प्रमुख रूप से सैचुरेटेड फैट से निर्मित होता है, जो दर्शाता है कि वे आपके शरीर के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं।

हार्मोन बेस है सैचुरेटेड फैट

सैचुरेटेड फैट कोर्टिसोल, एस्ट्रोजेन, टेस्टोस्टेरोन और प्रोजेस्टेरोन जैसे स्टेरायडल हार्मोन का आधार बनाने में मदद करते हैं। इन हार्मोनों के बिना आपका शरीर ठीक से काम नहीं कर पाता है। इसके अलावा आपको ये भी बता दें कि आंशिक रूप से सही लेकिन हमें सूर्य से विटामिन डी की अच्छी खुराक मिलती है। लेकिन सैचुरेटेड फैट के बिना हम वास्तव में विटामिन डी को अबसॉर्ब करने में सक्षम नहीं होंगे।

हड्डियों के लिए जरूरी

हमारी हड्डियां कैल्शियम से बनीं होती हैं। कैल्शियम मेटाबोलिज्म के लिए फैटी एसिड की जरूरत होती है। ये फैटी एसिड सैचुरेटेड फैट से ही बनें होते हैं। यहां आपको बताया गया है कि सैचुरेटेड फैट्स आपके शरीर के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। इन फैट्स के और भी कई उपयोगी कार्य हैं, इसलिए इन्हें अपने आहार से पूरी तरह से हटाया नहीं जा सकता है।

बच्चों की हड्डियों को इस तरह बनाएं स्ट्रॉन्ग

बचपन से अगर हम हड्डियों की सेहत का विशेष ध्यान रखें तो जीवनभर ये हेल्दी और मजबूत बने रहते हैं। इसके लिए जरूरी है कि हम बच्चों के खानपान पर खास ध्यान रखें और कुछ बातों की जानकारी रखें। दरअसल हम जो भी काम करते हैं, उसे करने में हड्डियां हमारी मदद करती हैं। शरीर के ढांचे के रूप में ये हमें चलने फिरने से लेकर उठने बैठने में भी मदद करती हैं, लेकिन अगर हड्डियां कमजोर हैं तो गिरने पर आसानी से ये टूट भी सकती हैं और कई बार टूटने से समस्या हो सकती है। आपको बता दें कि 20 साल की उम्र तक शरीर में हड्डियों का निर्माण होता है, इसके बाद इनके बनने की प्रक्रिया काफी कम हो जाती है। यही नहीं, उम्र बढ़ने के साथ ये कमजोर भी होने लगती हैं। यहां हम आपको बताते हैं कि आप उम्र भर हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए बच्चों की सेहत का किस तरह ख्याल रख सकते हैं।

कैल्शियम की पूर्ति

एक रिपोर्ट के मुताबिक, कैल्शियम में हड्डियों को हेल्दी बनाने वाले मिनरल्स होते हैं। यह डेयरी प्रोडक्ट, बीन्स, ड्राई फ्रूट्स, बीज, हरी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह ऑरेंज और सीरियल्स में भी पाया जाता है।

पेरैंट्स इस तरह करें मदद

-अगर आपका बच्चा दूध पीता है तो आप डॉक्टर से ये जानकारी ले सकते हैं कि उम्र के हिसाब से कितना दूध पीना जरूरी है। मसलन, छोटे बच्चों का कम से कम दो सर्विंग लो फैट दूध जबकि थोड़े बड़े बच्चों को 4 सर्विंग दूध की जरूरत होती है।

-अगर आप नॉर्मल चीजों को हाई कैल्शियम फूड के साथ रिप्लेस करें, तो भी ये बच्चों की हड्डियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। मसलन, पीनट बटर की तुलना में आप बादाम बटर दे सकते हैं जबकि नॉर्मल जूस की बजाय आप ऑरेंज जूस दें।

विटामिन डी सप्लीमेंट

विटामिन डी बॉडी में दूध के अवशोषण को तेज करता है। लेकिन ज्यादातर बच्चे उन चीजों को खाना पसंद नहीं करते, जिनमें विटामिन डी भरपूर मात्रा में हों। यही वजह है कि हेल्थकेयर प्रोवाइडर बच्चों को विटामिन डी सप्लीमेंट देने की सलाह देते हैं। यही नहीं, नवजात शिशुओं को भी विटामिन डी सप्लीमेंट दी जाती है।

धूप जरूरी

बच्चों को सुबह और शाम की धूप में कुछ देर जरूर रखें। विटामिन डी का सबसे बड़ा सोर्स सूरज की रोशनी होती है। हालांकि दोपहर की धूप नुकसानदायक हो सकती है।

खेलना जरूरी

बच्चे जब आउटडोर में खेलेंगे तो उनके शरीर की एक्सरसाइज भी होगी। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों का खेलना बहुत ही जरूरी है। आप बच्चों को स्वीमिंग, रनिंग, साइकिलिंग में भी डाल सकते हैं।

कथाकथन कार्यशाला के माध्यम से कहानियां सुनने का अवसर

विद्यालयीन विद्यार्थियों को और कहानियां सुनाने का शौक रखने वाले नागरिकों के लिए ठाणे के श्रीराम व्यायाम मंदिर के विशाल सभागृह में हाल ही में एक कथाकथन कार्यशाला का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध नाट्यकर्मी कविता विभावरी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई इस कार्यशाला में 200 से अधिक कथाकार उपस्थित थे।"मिट्टी जब नम होती है, तभी उसे आकार दिया जा सकता है" इस सूत्र को ध्यान में रखते हुए संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान पिछले 22 वर्षों से विद्यालयों में मूल्य शिक्षण (नैतिक शिक्षा) उपक्रम चला रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महाराष्ट्र के 1400 विद्यालयों में रामायण, महाभारत, क्रांतिकारियों और संतों की कहानियाँ विद्यार्थियों को सुनाने के लिए हर सप्ताह कथाकार जाते हैं। कक्षा 4 से 8 के विद्यार्थियों के लिए मूल्य शिक्षण उपक्रम और कक्षा 1 से 3 के विद्यार्थियों के लिए आनंद केंद्र उपक्रम कार्यरत है। विद्यालयों में कथाकारों की बढ़ती मांग को देखते हुए, इस बार प्रतिष्ठान ने समाज की सज्जन शक्तियों से आवाहन किया, जिसे उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला। कार्यशाला में सहभागी हुए इन नवोदित कथाकारों के लिए व्यक्तित्व विकास से संबंधित खेल, संस्कारात्मक गीत, और कथाकथन कला पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रसिद्ध मानसशास्त्री उज्वला शेटे, नाट्यकर्मी कविता विभावरी, आनंद केंद्र की संचालिका शीतल निकम और प्रतिष्ठान की संयोजिका नम्रता पुंडे ने अत्यंत सरल शब्दों में कथाकथन की विभिन्न कौशलों का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मानसी शिंदे, गौरव कुलकर्णी, बिना रेगे, राजश्री माने और नितीन घोलप आदि ने विशेष परिश्रम किए।

ब्लड डीटॉक्स के लिए अपनाएं ये टिप्स

पिंपल्स की समस्या होगी दूर

हमारे पूरे शरीर में ऑक्सीजन, हार्मोन, चीनी, वसा और प्रतिरक्षा प्रणाली की कोशिकाओं जैसी जरूरी तत्वों को यहां से वहां ले जाने का काम खून करता है। खून को साफ रखने, गंदगी को ब्रेकडाउन करने और इसमें मौजूद कचरे को हटाने व डीटॉक्स करने का काम किडनी और लिवर करते हैं। अगर इसके बावजूद खून में गंदगी रह जाती है, तो अपने डाइट में कुछ चीजों को शामिल कर आप ब्लड को डिटॉक्स कर सकते हैं। यहां हम आपको बताते हैं कि आप किन चीजों के सेवन से अपने खून की सफाई बेहतर तरीके से कर सकते हैं। ये चीजें खून में जमा अपशिष्ट और विषाक्त पदार्थों को शुद्ध करने और किडनी व लिवर की क्षमता को बढ़ाने में सकारात्मक रूप से मदद करती हैं।

ब्लड डीटॉक्स करने के आसान तरीके

क्रेनबेरी- खून साफ करना चाहते हैं, तो क्रेनबेरी को अपनी डाइट में शामिल करें। क्रेनबेरी में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो न केवल खून को साफ करने बल्कि बैक्टीरिया से लड़ने में भी उपयोगी हो सकते हैं।

ब्लूबेरी- खून साफ करना हो तो आप अपनी डाइट में ब्लूबेरी को भी जोड़ सकते हैं। ब्लूबेरिज़ में एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं, जो लिवर को डैमेज होने से बचा सकते हैं और खून को साफ करने में मदद कर सकते हैं।

सेब- खून साफ करने के लिए आप डाइट में सेब को भी जोड़ सकते हैं। सेब सेहत के लिए उपयोगी तो होता ही है, ब्लड शुगर लेवल को भी ये आसानी से कंट्रोल कर सकता है।

चुकंदर- चुकंदर की मदद से भी आप ब्लड को प्यूरीफाई कर सकते हैं। चुकंदर न केवल शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है, यह लिवर को डैमेज होने से भी बचाता है।

पानी- पानी सिर्फ खून ही नहीं, शरीर के सभी अंगों को डिटॉक्स करने में मदद करता है। आप जितना अधिक पानी का सेवन करेंगे, ब्लड को वेन्स में ट्रैवल करने में उतनी ही आसानी होती है।

कड़ी मेहनत और संघर्ष से एक साथ दो पदों पर चयनित हुई सिंगारपुर के किसान की बेटी धनेश्वरी निषाद

नगर सैनिक के बाद अब छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल में आरक्षक के पद पर हुई चयनित

बालोद। रख हौसला वह मंजर भी आएगा प्यासे के पास चलकर समंदर भी आएगा थककर ना बैठ ये मंजिल के मुसाफिर मंजिल मिलेगी और मिलने का मजा भी आएगा। यह पंक्ति को ठीक चरितार्थ किया है, बालोद जिले के डौंडीलोहारा ब्लॉक अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिंगारपुर के एक किसान की बेटी धनेश्वरी निषाद ने। धनेश्वरी निषाद पिता संजू राम निषाद (22) ने पहले नगर सैनिक (होम गार्ड) के पद पर चयनित होकर पूरे जिले गांव समाज परिवार और अपने माता-पिता गुरू जनों का नाम रोशन किया था। लेकिन अब यह खुशी दोहरी हो गई है क्योंकि अब उनका चयन छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल में आरक्षक के पद पर चयनित हो चुका है। एक साथ कड़ी मेहनत और संघर्ष से दो पदों पर उन्हें सफलता मिली है। नगर सेना और छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल में आरक्षक पद पर में चयनित धनेश्वरी निषाद ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गांव के प्राथमिक शाला सिंगारपुर में कक्षा पहिली से पांचवीं और कक्षा छठवीं से आठवीं तक की पढ़ाई शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंगारपुर में किया। उसके बाद कक्षा नवमी से बारहवीं की हाईस्कूल की शिक्षा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरदफोड़ में अध्ययन किया। उसके बाद उच्च शिक्षा के लिए शहीद दुर्वासा निषाद शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा में बीए में स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की।

माता पिता और गुरू जनों को दिया सफलता का श्रेय

धनेश्वरी निषाद ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता संजू राम निषाद और माता रजनी बाई निषाद, अपने भैया रोहित निषाद, उकेश निषाद सीआरपीएफ, मामा गजानंद निषाद जिला पुलिस बल और गुरू जनों को अपनी सफलता का श्रेय दिया।

2019 से तैयारी शुरू कि 2025 में मिली सफलता

धनेश्वरी निषाद ने बताया कि वह कक्षा दसवीं में थी तभी से तैयारी शुरू कर दिया था। वह प्रतिदिन सुबह उठकर दौड़ने के लिए दूसरे गांव में जाकर सुबह-शाम रोज पसीना बहाती थी। और स्वयं ही तैयारी करने के लिए संसाधन जुटाकर मेहनत करती। कई बार आर्मी भर्ती में प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली कुछ ना कुछ कमी के कारण सलेक्शन के लिए चुक जाती थी। लेकिन कभी निराश और हिम्मत नहीं हारी वो लगातार अपनी तैयारी में लगी रही। हर एक्जाम में प्रयास करती। जानकारी के लिए वो यूट्यूब और इंटरनेट का उपयोग करती थी। चाहे भर्ती आए या ना आए उन्होंने हमेशा तैयारी करना कभी नहीं छोड़ा। लगातार कड़ी मेहनत के साथ अभ्यास और प्रयास करती रही और आखिरकार 2025 में उनका नाम नगर सेना में नगर सैनिक के रूप में पूरे बालोद जिले में मेरिट लिस्ट में प्रथम नंबर पर उनका नाम चयनित होकर आया। उसके बाद अब दिसंबर में छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल में आरक्षक पद पर उन्हें दूसरी बार सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि अब बेटियों भी किसी भी क्षेत्र में किसी से कम नहीं है। वो आज हर क्षेत्र में अपनी सेवाएं और योगदान दे रही है। स्कूल और कालेज में शुरू से ही खेल में भी हमेशा प्रथम आती थी। उन्होंने अपने मन में ठान लिया था कि चाहे कुछ भी हो जाए मैं हार नहीं मानूंगी और आखिरकार उनका सपना पूरा हुआ।

गांव की तीन बेटियां भी केन्द्रीय बलों में दे रही सेवाएं

गांव की तीन बेटियां जिसमें सभी केन्द्रीय बलों में अपनी सेवाएं दे रही है। जिसमें भुनेश्वरी बोरकर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), दिव्या बोरकर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), मनीषा पाल छत्तीसगढ़ पुलिस जिला बल में आरक्षण के रूप में अपनी सेवाएं दे रही है।

सफलता का कोई शार्ट-कट नहीं होता

धनेश्वरी निषाद ने कहा कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती लेकिन एक दिन जरूर मिलती है। सफलता के लिए कड़ी मेहनत समर्पण बलिदान धैर्य संयम अनुशासन और लक्ष्य निर्धारित कर सही दिशा में मेहनत करने से अवश्य सफलता मिलती है। सफलता को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। बचपन से ही वर्दी पहनने का जुनून और जज्बा से आज वर्दी पहनने का सपना पूरा हुआ। वर्दी पहनने का कुछ अलग ही फिलिंग है। यह मेरे गौरवशाली पल है।

बिना त्याग के कुछ भी जीवन में नहीं मिल सकता

धनेश्वरी निषाद ने बताया कि जो भी युवा या लड़कियों सेना या कोई सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं। वो लोग अपनी सेहत का अच्छे से ध्यान रखें और नशा से दूर रहें। साथ ही सोशल मीडिया से भी दूरी बनाकर रखें। कड़ी मेहनत करने और कभी भी निराशा या हताश नहीं होने को कहा लगातार कोशिश और मेहनत करते रहे सफलता एक दिन जरूर मिलेगी। कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी बहुत जरूरी है। बिना त्याग के कुछ भी जीवन में नहीं मिल सकता। लड़कियों को भी आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। ताकि अपने पैरों पर खड़ा हो सकें। जो लोग मुझसे बात नहीं करते थे वहीं लोग मुझे बधाई और अपने स्टेटस में स्टोरी लगाकर बधाई दे रहे हैं। सफलता मिलने के बाद जीवन में बहुत कुछ बदलाव आ गया है। घर वाले हमेशा शादी के लिए दबाव बनाए लेकिन जब तक सफल नहीं होऊंगी तब तक शादी नहीं करने का जिद पर अड़ी रही।

प्रदेशाध्यक्ष के निवास में पहुंचे डिप्टी सीएम साव, प्रदेशाध्यक्ष के निवास में पहुंचे डिप्टी सीएम साव

- **डॉ नीरेंद्र साहू के परिजनों से की सौजन्य मुलाकात, डिप्टी सीएम अरुण साव का डोंगरगांव नगर आगमन**

डोंगरगांव नगर। छग के उपमुख्यमंत्री, नगरीय निकाय व पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव का गत दिनों डोंगरगांव नगर आगमन हुआ। राजनांदगाँव जिले के एक दिवसीय प्रवास में पहुंचे डिप्टी सीएम साव ने नगर के विवेकानंद वार्ड 13 में स्थित छग प्रदेश साहू संघ प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू के निवास में पहुंचकर साहू परिवार से पारिवारिक सौजन्य भेंट मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री, नगरीय निकाय व पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव जिला मुख्यालय में आयोजित साहू समाज के एक दिवसीय युवक युवती परिचय सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे थे। पश्चात विभिन्न कार्यक्रमों में भी सम्मिलित हुए। उपरांत उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने छग प्रदेश साहू संघ अध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू एवं जिला भाजपा महामंत्री डीकेश साहू के निवास डोंगरगांव नगर पहुंचकर पारिवारिक भेंट मुलाकात की। इस मौके पर साहू परिवार ने उपमुख्यमंत्री का पुष्पमाला से स्वागत अभिनंदन किया। इस दरम्यान पारिवारिक एवं सामाजिक चर्चा हुई। उक्त अवसर पर जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, जिपंअध्यक्ष किरण वैष्णव, स्थानीय नेतागण दिनेश गांधी व लक्ष्मीनारायण गुप्ता, अंजू त्रिपाठी, गीता साहू, रविन्द्र वैष्णव, दीना पटेल, हेमंत चोपड़ा, गुलशन हिरवानी, रामकिशन महेश्वरी, हीरेन्द्र साहू, घासी साहू, तहसील अध्यक्ष शिवराम साहू, सुरेंद्र साहू, जीवन साव, पार्षद पुरुषोत्तम साहू व उमेश साहू सहित भाजपाई, पार्षदगण एवं साहू समाज के अनुयायी उपस्थित थे।

आयुक्त सुमित अग्रवाल का औचक निरीक्षण अतिक्रमण हटाने और सफाई में लापरवाही पर नाराज़गी

सुबह 7.15 बजे आयुक्त का फील्ड विज़िट वार्ड 26, 27, 28 में सफाई व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम।बुधवार सुबह 7:15 बजे आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अधिकारियों की टीम के साथ वार्ड क्रमांक 26, 27 और 28 का भ्रमण कर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, सड़क की स्थिति और अव्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सबसे पहले वार्डों में सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क किनारे फैली झाड़ियां और अनावश्यक हरियाली आवागमन में बाधा उत्पन्न करती है, इसलिए इन्हें तत्काल काटकर हटाया जाए। उन्होंने सड़क क्षेत्र में मौजूद अतिक्रमण को हटवाने के लिए भी अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। आयुक्त ने कहा कि मुख्य मार्गों पर अवैध कब्जे एवं वस्तुओं की अव्यवस्थित ढेरियों के कारण यातायात प्रभावित होता है, इसलिए इसे तत्काल साफ कर सुव्यवस्थित किया जाए। इसके साथ ही सड़क और नालियों में जमा वेस्ट मटेरियल को शीघ्र हटाने, तथा नालियों व सड़कों की निरंतर सफाई का पालन सुनिश्चित करने को कहा। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई और जल निकासी व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त अग्रवाल का यह फील्ड निरीक्षण क्षेत्र में स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नीतू कोठारी हुई राष्ट्रीय सम्मान समारोह में सम्मानित

बेमेतरा। गुजरात के वडोदरा में शाश्वत हिंदू जागृति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में बेमेतरा नगरपालिका के पार्षद नीतू कोठारी को समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु बालब्रम्हचारी उपसर्ग विजयी आचार्य सूर्यसागर गुरुदेव के हाथों सम्मानित हुई। कोठारी को राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित होने पर बेमेतरा के सिटी प्रेस क्लब संरक्षक महेश दुबे प्रकाश जैन अध्यक्ष दिनेश दुबे जिला मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश दत्त दुबे सहित पत्रकार आनंद साहु डाक्टर आशीष दानी कोमल जैन राजेश दत्त दुबे गणेश माहेश्वरी नंदु राठी कवि रामानंद त्रिपाठी सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं व्यक्त किया है।

योगेश दोसा एवं गौतम होटल के संचालकों के मध्य रंजिश प्रकरण, होटल संचालको के मध्य विवाद मामले में कार्रवाई

- **मारपीट प्रकरण में दोनो पक्षों से आरोपी गिरफ्तार, योगेश दोसा एवं गौतम होटल के संचालकों के मध्य रंजिश प्रकरण**

डोंगरगांव नगर। नगर में पखवाड़ेभर पुर्व गत माह 20 नवंबर की रात्रि श्रीरामद्वार चौक समीप विवाद एवं मारपीट प्रकरण में आखिरकार पुलिस ने कार्रवाई की है। प्रकरण में दोनों पक्षों योगेश दोसा एवं गौतम होटल के मारपीट के अधिकतर आरोपी गिरफ्तार किये गए हैं। उल्लेखनीय है कि इस मारपीट के मामले में नागपुर से कुछ लोग शामिल थे, जिनकी नागरिकों द्वारा गुर्गे समझकर पिटाई कर दी गई थी। पुलिस द्वारा आधिकारिक जानकारी मुताबिक 20 नवंबर 2025 की रात्रि में नगर के गौतम होटल के पास दो पक्षो में विवाद व मारपीट की सूचना पर मौके पर पुलिस की टीम पहुंची थी। मेनरोड स्थित योगेश दोसा एवं गौतम होटल के संचलको द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर वाद विवाद एवं मारपीट होने की। पुष्टि हुई थी। मारपीट की घटना में प्रार्थी भान बाई यादव पति भानु यादव, 50 वर्ष, वार्ड 11 सिनेमा लाईन डोंगरगांव की रिपोर्ट पर अपराध क्र 361/25 बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(2), 191(2), 333 दर्ज की गई थी। इसी प्रकार प्रार्थी योगेश देवांगन पिता त्रिलोचन देवांगन, 33 वर्ष, निवासी वार्ड 02 जेन्टस क्लब मैदान के पास डोगरगांव के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने पर अपराध क्रमांक 363/2025 धारा 296 115(2), 191(2), 49, 109 बीएनएस एवं का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था। पुलिस ने उक्त प्रकरण में पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, एएसपी राहुल देव शर्मा व एसडीओपी दिलीप सिसोदिया के दिशानिर्देश में थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णा पाटले द्वारा टीम गठीत कर अपराध विवेचना एवं आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी।

पाटन राज कुर्मी समाज के द्वारा अधिकारी कर्मचारी संगोष्ठी का आयोजन

पाटन। छ.ग.मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन राज द्वारा अधिकारी एवं कर्मचारी संगोष्ठी (मिलन समारोह) का भव्य आयोजन रविवार को कुर्मी भवन पाटन में युगल आडिल राजप्रधान मनवा कुर्मी समाज पाटन राज के अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेन्द्र बंछोर अध्यक्ष आफिसर असोसिएशन भिलाई स्टील प्लांट, अध्यक्षता युगल आडिल राजप्रधान पाटन राज, विशिष्ट अतिथि कमल वर्मा संयोजक अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन छ. ग.एवं अध्यक्ष राजपत्रित अधिकारी संघ, हेमंत वर्मा अपर आयुक्त छ. ग.गृह निर्माण मंडल जगदलपुर, विशेष अतिथि के रूप में क्रमशः सनत वर्मा उप कुलसचिव पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, डॉ. हेनुराम वर्मा असिस्टेंट प्रोफेसर आई आई टी भिलाई,मोहन वर्मा एच् ओ डी शंकराचार्य यूनिवर्सिटी भिलाई, सुनील वर्मा इनकमटैक्स आफिसर रायपुर, नकुल वर्मा उपसंचालक पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग धमतरी, कृष्ण कुमार नायक अधीक्षक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग, भूपेश वर्मा सहायक अभियंता विद्युत वितरण कंपनी उतई,मनोज वर्मा पूर्व लोक अभियोजक जिला एवं सत्र न्यायालय रायपुर, शैलेष आडिल डी जी एम भिलाई स्टील प्लांट, उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत समाज के महापुरुष छत्रपति शिवाजी महाराज, स्वामी आत्मानंद जी महाराज, डॉ. खूबचंद बघेल, के छायाचित्रों की पूजा अर्चना कर राजगीत एवं जातीय गौरव गीत के साथ किया गया। राजप्रधान युगल आडिल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि हमारा समाज एक बौद्धिक समाज है जो सामाजिक बैठक कर प्रकरणों का निराकरण एवं अन्य गतिविधियों में तो कार्य करते है। हमारे समाज के युवक यु वतियो के सर्वांगीण विकास रोजगार एवं शिक्षा के क्षेत्र में कैसे आगे बढे इसी सोच को ध्यान में रखते हुए अधिकारी कर्मचारी संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है मुझे आशा कि इस आयोजन का लाभ भविष्य में समाज के युवा पीढी को जरूर मिलेगा। विशिष्ट अतिथि कमल वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा हमारे पाटन राज के राजप्रधान युगल आडिल एवं राजमंत्री केदार कश्यप के अथक प्रयासों का यह परिणाम है कि पूरे छत्तीसगढ़ में पहली बार अधिकारी कर्मचारी संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया है। जो काफी सराहनीय है इस तरह का आयोजन प्रत्येक राज होना चाहिए। हेमंत वर्मा ने कहा आज मुझे मंच साझा करते हुए अत्यंत खुशी हो रहा कि समाज के द्वारा समाज अधिकारी कर्मचारी को एक मंच पर बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

आशा अभियान व मोटर वाहन अधिनियम के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर

बेमेतरा। नालसा द्वारा प्रकाशित नालसा (आशा, जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्यवाही) बाल विवाह को खत्म करने की दिशा में (100 दिवसीय अभियान) के तहत मिनीमाता शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, कारेसरा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्रों द्वारा बताया की इस अभियान का उददेश्य हमारी बेंटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदान कर सशक्त बनाना है इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिए विभिन्न प्रयास किये जा सकते है जिसके तहत बालिकाओं की शिक्षा व कौशल विकास एवं श्रम बल में समावेशन कर महिलाओं के लिए पोषण संबंधी परिणाम सुनिश्चित करना, महिलाओं के प्रजन्न स्वास्थ्य की देखभाल, महिलाओं की सुरक्षा व संरक्षा (तस्करी रोधी), सामाजिक सुरक्षा, खेल व नेतृत्व की भावना जागृत करना तथा नालसा की स्कीम; नालसा टोल फ्री नंबर 15100, बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, पॉक्सों एक्ट अधिनियम 2012, हिट एंड रन स्कीम 2022, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, चाईल्ड हेल्प लाईन नंबर 1098 इत्यादि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त यातायात विभाग के समन्वय से छात्र-छात्राओं के सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के तहत यातायात विभाग से प्रधान आरक्षक दौलत वर्मा व आरक्षक कुलेश्वर साहू द्वारा मोटर वाहन अधिनियम के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ट्रैफिक लाइट और संकेतों का पालन करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें, सीटबेल्ट और हेलमेट पहनें, गति सीमा का ध्यान रखें, पैदल चलने वाले जेब्रा क्रांसिंग का इस्तेमाल करें और हमेशा अपनी लेन में चलें, ये सभी नियम आपको सुरक्षित रखते हैं। उक्त शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा से अधिकार मित्र धरमू बारले, पंकज घृतलहरे, टूवेन्द्र वर्मा सहित स्कूल के शिक्षक गण उपस्थिति रहे।

त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन श्रद्धा का उमड़ा सैलाब

परम पूज्य श्री रामज्ञानी दास महात्यागी जी का भी आगमन

भिलाई। रिसाली के VIP नगर में चल रहे सात दिवसीय त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन भक्तों की भारी भीड़ जुटी। भागवत कथा का वाचन कर रहे पं. भूपत नारायण शुक्ला ने आज भगवान श्रीकृष्ण जन्म की पावन कथा सुनाई, जिसे सुनकर पूरा पंडाल भक्तिमय माहौल से गूंज उठा।

इस अवसर पर त्रीखेड़ी आश्रम, गोंदिया महाराष्ट्र से विशेष रूप से पहुंचे परम पूज्य श्री रामज्ञानी दास महात्यागी जी का भी आगमन हुआ। उनके आगमन से श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को मिला

कथा के दौरान पं. शुक्ला ने भगवान कृष्ण के अवतार के उद्देश्य, कंस के अत्याचार और देवकीङ्कवसुदेव के संघर्ष का भावपूर्ण वर्णन किया। जैसे-जैसे कथा आगे बढ़ी, श्रोतागण ÷नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की÷ जैसे भक्ति गीतों पर झूम उठे।कथा स्थल पर राम लक्ष्मण सीता और हनुमान के साथ श्री कृष्ण की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई जिससे पूरा पंडाल भक्तिमय जयकारों से गुंजाये मान होने लगा

आयोजक विष्णु पाठक के लिया गुरुवार का दिन दोहरी खुशी लेकर आया जहां कथा में कृष्ण जन्म उत्सव की खुशियां मनाई गई वही उनके पोते चि देवांश का भी तीसरा जन्म दिवस का मौका था जिसे कथा स्थल पर धूम धाम से मनाया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष की तानाशाही से दल्ली राजहरा का विकास अवरुद्ध

सामान्य सभा की एक भी बैठक आयोजित नहीं की गई

दल्लीराजहरा। नगर पालिका के वर्तमान कार्यकाल को लगभग नौ माह बीत चुके हैं, परंतु अत्यंत खेद और आक्रोश के साथ यह बताना पड़ रहा है कि नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा शहर के विकास और जनहित के मुददों पर चर्चा करने हेतु सामान्य सभा की एक भी बैठक आयोजित नहीं की गई है। विधायक प्रतिनिधि रतिराम कोसमा, नेता प्रतिपक्ष, एवं उपनेता प्रतिपक्ष संयुक्त रूप से इस अलोकतांत्रिक और मनमाने रवैये की कड़ी निंदा करते हैं। अधिनियम का उल्लंघन और संवैधानिक दायित्वों से पलायन, छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 35 के तहत यह स्पष्ट प्रावधान है कि नगर के विकास और सुचारू प्रशासन के लिए प्रत्येक दो माह में कम से कम एक सामान्य सभा की बैठक आयोजित किया जाना आवश्यक है। नौ माह बीत जाने के बावजूद, चार अनिवार्य बैठकों में से एक का भी आयोजन न करना स्पष्ट रूप से अधिनियम का उल्लंघन है और अध्यक्ष की ओर से अपने संवैधानिक दायित्वों से घोर पलायन है। विकास कार्य ठप, मनमर्जी से निर्णय नगर पालिका अध्यक्ष की यह निष्क्रियता और मनमानी शहर के विकास को गंभीर रूप से बाधित कर रही है, विकास कार्य ठप सामान्य सभा की बैठक आयोजित न होने के कारण शहर के लिए आवश्यक नई विकास परियोजनाओं पर चर्चा और उन्हें पारित करने की प्रक्रिया पूरी तरह से ठप है। अध्यक्ष विशेष मुददों को लेकर भी स्वयं अपनी मनमर्ज़ी से एकतरफा निर्णय ले रहे हैं, जिसमें पार्षदों और जनता की राय को पूरी तरह से दरकिनार किया जा रहा है। सामान्य सभा ही वह मंच है जहाँ विपक्ष और सत्ता पक्ष मिलकर जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं; इस बैठक का आयोजन न होना जनता के प्रति जवाबदेही को खत्म करने के समान है। हम, दल्ली राजहरा नगर पालिका के सभी विपक्षी जन प्रतिनिधिगण, नगर पालिका अध्यक्ष से तत्काल मांग करते हैं कि धारा 35 के तहत अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए, अविलंब सामान्य सभा की बैठक का आयोजन किया जाए। पिछली नौ माह की अवधि में अध्यक्ष द्वारा लिए गए सभी मनमाने निर्णयों को सामान्य सभा में चर्चा और अनुमोदन के लिए रखा जाए। शहर के विकास को गति देने और जनता के हितों की रक्षा के लिए सामान्य सभा की बैठक का आयोजन अत्यंत आवश्यक है। यदि अध्यक्ष द्वारा इस मांग पर त्वरित कार्रवाई नहीं की जाती है, तो हम जनता के हितों की रक्षा हेतु सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com